मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 10 अंक 16
मंगलवार, 21 जुलाई 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

NEET और राम मंदिर विवादः हंगामे की भेंट चढ़ा मानसून सत्र का पहला दिन

नई दिल्ली, 20 जुलाई। कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष के सदस्यों के विरोध के कारण लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों की कार्यवाही में बाधा आने के बाद, 20 जुलाई को संसद का मॉनसून सत्र स्थगित कर दिया गया। विपक्ष ने NEET-UG 2026 पेपर लीक और अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में डोनेशन के गबन के आरोपों पर चर्चा की मांग की। राज्यसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई और यह 21 जुलाई को सुबह 11:00 बजे फिर से शुरू होगी। लोकसभा की कार्यवाही भी अगले दिन सुबह 11:00 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। यह सत्र 13 अगस्त तक चलेगा और उम्मीद है कि इसमें राजनीतिक रूप से गरमा-गरम बहसें होंगी, खासकर आने वाले राज्य चुनावों के मद्देनजर।

लोकसभा की कार्यवाही के दौरान, विपक्ष के नारों के बीच केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने 'सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2026' पेश किया। इस विधेयक का मकसद 'सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) अधिनियम, 1956' में और संशोधन करना है। इसके तहत सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या को 33 से बढ़ाकर 37 करने का प्रस्ताव है, जो पहले जारी किए गए एक अध्यादेश की जगह लेगा। लोकसभा में सोमवार को विभिन्न मुद्दों पर विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण प्रश्नकाल और शून्यकाल नहीं चल सके।

राज्यसभा में सरकार 'राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026' पेश करने की योजना बना रही है, जिसका उद्देश्य 'राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम, 1971' में संशोधन करना है। प्रस्तावित संशोधन के तहत राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' में किसी भी तरह की बाधा डालने या उसका अपमान करने को अपराध माना जाएगा। विपक्ष ने संकेत दिया है कि वह सत्र के दौरान NEET-UG 2026 पेपर लीक, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में कथित हेराफेरी और अन्य मुद्दों पर बहस कराने की कोशिश करेगा। राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन ने सोमवार को उच्च सदन के नौ नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई। जिन सदस्यों ने उच्च सदन की सदस्यता की शपथ ली वे गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, मेघालय, मिजोरम, राजस्थान और पश्चिम बंगाल का प्रतिनिधित्व करते हैं। संसद के मानसून सत्र के पहले दिन शपथ लेने वाले सदस्यों में गुजरात से भाजपा के मुकेशभाई जे. राठवा, कर्नाटक से कांग्रेस के पवन खेड़ा, मध्यप्रदेश से भाजपा के महेश केवट, मेघालय से एनपीपी के जेम्स पांगसांग कोंगकल संगमा, मिजोरम से खियांग्टे लालत्लुआंगकीमा, राजस्थान से भाजपा के सतीश पूनिया, पश्चिम बंगाल से भाजपा के प्रकाश चिक बड़ाइक, सुष्मिता देव और सुखेंदु शेखर राय शामिल हैं।

दस्तावेज अधूरे तो अटकेगा मुआवजा, पालघर-ठाणे के किसानों को विशेषज्ञों की अहम सलाह

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर व ठाणे जिलों में तेजी से चल रही विद्युत प्रसारण (पावर ट्रांसमिशन) परियोजनाओं के बीच हजारों किसान व भूमिधारक मुआवजे के पात्र बन रहे हैं। हालांकि, कई मामलों में मुआवजे की राशि स्वीकृत होने के बावजूद 7/12 उतारा (सातबारा), फेरफार, वारिस रिकॉर्ड तथा अन्य राजस्व दस्तावेजों में त्रुटियों के कारण भुगतान प्रक्रिया लंबित हो रही है। विशेषज्ञों ने किसानों से अपने भूमि संबंधी सभी अभिलेख समय पर अद्यतन कराने व आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने की अपील की है।

राज्य में हरित ऊर्जा और विद्युत प्रसारण नेटवर्क के विस्तार के तहत विभिन्न क्षेत्रों में हाई-टेंशन बिजली लाइनों एवं ट्रांसमिशन टावरों का निर्माण किया जा रहा है। इन परियोजनाओं से प्रभावित किसानों को शासन के नियमानुसार मुआवजा दिया जाता है, लेकिन अनेक मामलों में

दस्तावेजी कमियों के कारण भुगतान में अनावश्यक देरी हो रही है। जानकारी के अनुसार, 7/12 रिकॉर्ड अपडेट न होना, वारिसों की प्रविष्टियां लंबित रहना, स्वामित्व विवाद, सीमांकन संबंधी समस्याएं, न्यायालयीन प्रकरण तथा अधूरे दस्तावेज मुआवजा वितरण में सबसे बड़ी बाधा बन रहे हैं। ऐसे मामलों में राजस्व विभाग की कानूनी जांच पूरी नहीं हो पाती, जिससे भुगतान प्रक्रिया रुक जाती है।

इस संबंध में वरिष्ठ विधि विशेषज्ञ एवं पालघर बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट दीपक एच. भाटे ने बताया कि अधिकांश किसान मुआवजे में देरी के लिए धनराशि की कमी को जिम्मेदार मानते हैं, जबकि वास्तविक कारण भूमि अभिलेखों की अपूर्णता और स्वामित्व सत्यापन से जुड़ी समस्याएं होती हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को अपने राजस्व रिकॉर्ड नियमित रूप से अद्यतन कराने चाहिए तथा वारिसों के बीच किसी भी प्रकार के विवाद का समय रहते समाधान करना चाहिए। वहीं पालघर और भिवंडी क्षेत्र में विद्युत प्रसारण परियोजनाओं का संचालन कर रही रेसोनिया लिमिटेड के उपाध्यक्ष निनाद पितले ने किसानों से अपील की कि वे 7/12 उतारा, वारिस रिकॉर्ड और अन्य आवश्यक दस्तावेज समय पर पूर्ण करें, ताकि मुआवजा वितरण में किसी प्रकार की बाधा न आए। उन्होंने बताया कि परियोजना अथवा मुआवजा प्रक्रिया से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए किसान कंपनी के टोल-फ्री नंबर 1800-203-5844 पर संपर्क कर सकते हैं।

दहानू में दिनदहाड़े ज्वेलरी शोरूम में डकैती

लुटेरे लाखों के गहने लेकर हुए फरार

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के दहानू शहर में सोमवार को दिनदहाड़े हुई हथियारबंद डकैती की वारदात से पूरे शहर में सनसनी फैल गई। ईरानी नगर स्थित प्रसिद्ध लक्ष्मी ज्वेलर्स में तीन हथियारबंद बदमाशों ने धावा बोलकर बंदूक की नोक पर लाखों रुपये मूल्य के सोने के आभूषण व अन्य कीमती सामान लूट लिया। घटना के बाद व्यापारी वर्ग और स्थानीय नागरिकों में दहशत का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार दोपहर तीन अज्ञात युवक ग्राहक बनकर दुकान में दाखिल हुए। कुछ देर तक सामान्य ग्राहक की तरह व्यवहार करने के बाद उन्होंने अचानक बंदूक और अन्य हथियार निकाल लिए तथा दुकान में मौजूद कर्मचारियों एवं ग्राहकों को धमकाकर अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद बदमाशों ने शोकेस में रखे सोने के आभूषण व अन्य कीमती सामान तेजी से बैग में भर लिया और कुछ ही मिनटों में

मौके से फरार हो गए। दिनदहाड़े व्यस्त बाजार क्षेत्र में हुई इस दुस्साहसी वारदात से सराफा व्यापारियों में भारी रोष का माहौल है। व्यापारियों ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठाते हुए आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। घटना की पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज अपने कब्जे में लेकर आरोपियों की पहचान और उनकी तलाश तेज कर दी है। सूचना मिलते ही दहानू पुलिस मौके पर पहुंची। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, अपराध शाखा की टीम तथा तकनीकी जांच दल ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य इकठ्ठा किया। पुलिस ने पूरे क्षेत्र में नाकाबंदी कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान शुरू कर दिया है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज एवं अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान करने का प्रयास जारी है तथा उन्हें जल्द गिरफ्तार कर लिया जायेगा है।

ठाणे-पालघर जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंक की उपाध्यक्ष भाग्यश्री भोईर का सम्मान कार्यक्रम संपन्न

पालघर (उत्तरशक्ति /अजीत सिंह)। ठाणे-पालघर जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंक के उपाध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुई भाग्यश्री निलेश भोईर के सम्मान में वाडा तालुका सहकार सेवा समिति की ओर से रविवार 19 जुलाई 2026 को वाडा स्थित पठारे मंगल कार्यालय में सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

उपाध्यक्ष पद पर एक महिला के चयन तथा यह सम्मान वाडा तालुका को मिलने पर क्षेत्र के सहकारी संस्थानों के पदाधिकारी, सदस्य और नागरिक बड़ी संख्या में समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर श्रीमती भाग्यश्री भोईर का बैंड-बाजों के साथ स्वागत जुलूस निकाला गया। विभिन्न सहकारी संस्थाओं की ओर से उन्हें शॉल, पुष्पगुच्छ व सम्मान-पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

बतादें कि भाग्यश्री भोईर

सहकारी क्षेत्र से जुड़े प्रतिष्ठित भोईर परिवार की सदस्य हैं। वे बैंक के पूर्व अध्यक्ष वसंत यशवंत भोईर की पुत्रवधू तथा पूर्व उपाध्यक्ष निलेश वसंत भोईर की पत्नी हैं। इस परिवार को सहकारिता क्षेत्र में चार पीढ़ियों की समृद्ध विरासत प्राप्त है।परिवार के वरिष्ठ सदस्य एवं पूर्व विधायक स्वर्गीय लडकू नाऊ भोईर बैंक के संस्थापक सदस्यों में शामिल रहे और बैंक की स्थापना एवं विकास में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। उनके बाद स्वर्गीय यशवंत लडकू भोईर, फिर वसंत यशवंत भोईर ने बैंक के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाली। चौथी पीढ़ी में निलेश वसंत भोईर ने उपाध्यक्ष पद का दायित्व निभाया और अब भाग्यश्री भोईर के उपाध्यक्ष बनने से सहकारिता क्षेत्र में भोईर परिवार की चार पीढ़ियों की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाया है।

इस समारोह में सहकारिता, राजनीति व सामाजिक क्षेत्र की अनेक प्रतिष्ठित हस्तियां उपस्थित रहीं। इनमें हरिभाऊ दामा पाटील, परशराम सावंत, अरुण पाटील, बाबाजी काठोले, मनीष गणोरे, आर.एच. पाटील, हरिश्चंद्र पाटील, वी.जी. पाटील, शिवसेना उपजिलाध्यक्ष सुनील पाटील, जिला परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष निलेश गंधे, पूर्व जिला परिषद सदस्य राजेश चौधरी, अक्षता चौधरी, स्वाभिमान संगठन के जिलाध्यक्ष जितेश पाटील, बैंक के मुख्याधिकारी श्रीकांत पठारे, मोहन गवा, सुधाकर पठारे, प्रवीण ठाकरे, युवराज ठाकरे, कांग्रेस (आई) के तालुका अध्यक्ष स्वप्नील ठाकरे, शिवसेना तालुकाप्रमुख निलेश पाटील, राष्ट्रवादी कांग्रेस के तालुकाध्यक्ष जयेश शेलार, रोहिदास पाटील, पंचायत समिति के पूर्व उपसभापति अमोल पाटील, कांग्रेस (आई) शहर अध्यक्ष सुशील पातकर, राष्ट्रवादी शहर अध्यक्ष अमीन सेंदू, वाडा नगर पंचायत की पूर्व उपनगराध्यक्ष वर्षा गोले, नगरसेविका भारती सपाटे, सुचिता पाटील, विराज पाटील सहित विभिन्न क्षेत्रों के अनेक गणमान्य व्यक्ति और सामाजिक कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का प्रस्ताविक प्रफुल्ल (काका) पाटील ने प्रस्तुत किया, जबकि संचालन ऋषिकेश सावंत ने किया। समारोह को सफल बनाने में वाडा तालुका सहकार सेवा समिति के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सड़क हादसे में 5 युवकों की मौत, भारी वाहन ने कार को मारी टक्कर

मध्यप्रदेश। मध्यप्रदेश में नरसिंहपुर जिले के सुआतला थाना क्षेत्र में अज्ञात भारी वाहन की टक्कर से कार सवार पांच युवकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सभी युवक जबलपुर से हाथीनाला वाटरफॉल घूमकर लौट रहे थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया ने बताया कि रविवार शाम इंदिरा नगर के समीप जबलपुर लौट रही कार को एक अज्ञात भारी वाहन ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में पांवला निवासी राजेन्द्र पटैल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल अन्य युवकों को उपचार के लिए जबलपुर मेडिकल कॉलेज भेजा गया। उन्होंने बताया कि अस्पताल ले जाते समय शाहपुरा निवासी वीरेन्द्र लोधी (20),

बरपटी निवासी जयपाल लोधी (30) और पांवला निवासी राजपाल लोधी (21) की मौत हो गई। वहीं उपचार के दौरान बरपटी निवासी नीरज लोधी (25) ने भी दम तोड़ दिया। दुर्घटना में घायल बरपटी निवासी आकाश लोधी (24) का जबलपुर मेडिकल कॉलेज में उपचार जारी है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीना मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर फरार अज्ञात वाहन एवं उसके चालक की तलाश शुरू कर दी है।

वैष्णो देवी यात्रा स्थगित होने के बाद कटरा में फंसे श्रद्धालुओं के लिए नि:शुल्क लंगर की व्यवस्था

जम्मू, 20 जुलाई। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में त्रिकुटा पर्वत पर स्थित माता वैष्णो देवी भवन की यात्रा अस्थायी रूप से स्थगित होने के बाद आधार शिविर कटरा में फंसे श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क लंगर की व्यवस्था की है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा 23 जुलाई तक मध्यम से भारी बारिश की चेतावनी जारी किए जाने और प्रतिकूल मौसम की स्थिति के कारण रविवार को वैष्णो देवी यात्रा स्थगित कर दी गई थी। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी

श्राइन बोर्ड के एक प्रवक्ता ने कहा, कटरा में फंसे श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क लंगर सेवा उपलब्ध

कराने की व्यापक व्यवस्था की गई है, ताकि उनके ठहरने और अन्य आवश्यक सुविधाओं का समुचित ध्यान रखा जा सके। उन्होंने कहा कि उपराज्यपाल एवं श्राइन बोर्ड के अध्यक्ष मनोज सिन्हा के निर्देश पर बोर्ड ने प्रभावित श्रद्धालुओं को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए अपने सभी संसाधन जुटा लिये हैं। प्रवक्ता ने बताया, कटरा बस अड्डे के निकट स्थित निहारिका परिसर में निःशुल्क लंगर की व्यवस्था की गई है, जहां फंसे हुए श्रद्धालुओं को मुफ्त भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है और श्राइन बोर्ड के अधिकारी उन्हें आवश्यक सहायता भी प्रदान कर रहे हैं। श्राइन बोर्ड के एक प्रवक्ता ने कहा कि इसके अलावा बोर्ड विभिन्न संचार माध्यमों के जरिये मौसम की मौजूदा स्थिति और यात्रा की स्थिति से संबंधित अद्यतन जानकारी तथा परामर्श लगातार जारी कर रहा है, ताकि श्रद्धालु समय-समय पर जानकारी प्राप्त कर सकें।

विक्रम-1: नए भारत की अंतरिक्ष उड़ान का स्वर्णिम अध्याय

-ललित गर्ग

भारत ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है कि यदि संकल्प, वैज्ञानिक दृष्टि और नवाचार का संगम हो तो आकाश भी सीमा नहीं, बल्कि संभावनाओं का प्रारंभ बन जाता है। भारत के पहले निजी ऑर्बिटल रॉकेट ҩविक्रम-1ҩ का सफल प्रक्षेपण केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत, नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था और विज्ञान-प्रधान भविष्य की ओर बढ़ते राष्ट्र का एक नया घोषणापत्र है। श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से मिशन आगमन के अंतर्गत हुई यह ऐतिहासिक उड़ान भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान के इतिहास में एक ऐसे स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज हो गई है, जिसने यह स्पष्ट कर दिया कि अब अंतरिक्ष विज्ञान केवल सरकारी संस्थानों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि निजी उद्यम भी वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत का नेतृत्व करेंगे। निश्चित ही विक्रम-1 नए भारत की अंतरिक्ष उड़ान का स्वर्णिम अध्याय एवं निजी अंतरिक्ष क्रांति की आकाशीय सफलताओं की नई जमीन है।

विक्रम-1 की सफलता उस महान वैज्ञानिक डॉ. विक्रम साराभाई के स्वप्न को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिन्होंने कभी कहा था कि भारत जैसे विकासशील देश के लिए अंतरिक्ष विज्ञान विलासिता नहीं, बल्कि विकास का अनिवार्य साधन है। आज उसी विचार की आधुनिक अभिव्यक्ति स्काईरूट एयरोस्पेस के रूप में दिखाई देती है, जिसने अपने पहले ही प्रयास में इतिहास रच दिया। यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष है क्योंकि इस समय दुनिया में केवल कुछ ही देशों के निजी उपक्रम ऑर्बिटल रॉकेट विकसित कर पाए हैं। भारत अब उस विशिष्ट समूह में शामिल हो गया है, जहां नवाचार, वैज्ञानिक कौशल और उद्यमशीलता मिलकर नई संभावनाओं का निर्माण कर रहे हैं। अमेरिका के स्पेसएक्स ने जिस निजी अंतरिक्ष क्रांति की शुरूआत की थी, भारत ने अब उसका अपना स्वदेशी संस्करण प्रस्तुत कर दिया है।

विक्रम-1 की तकनीकी विशेषताएं भी इसे विशिष्ट बनाती हैं। पूरी तरह कार्बन कंपोजिट से निर्मित यह रॉकेट अपेक्षाकृत हल्का, अधिक मजबूत तथा कम लागत वाला है। थ्री-डी प्रिंटिंग जैसी अत्याधुनिक तकनीकों के उपयोग ने इसके निर्माण खर्च को उल्लेखनीय रूप से कम किया है। इसका सीधा अर्थ है कि भविष्य में छोटे उपग्रहों के प्रक्षेपण का वैश्विक बाजार भारत के लिए नए आर्थिक अवसर लेकर आएगा। आज दुनिया में संचार, मौसम पूर्वानुमान, कृषि, रक्षा, आपदा प्रबंधन, इंटरनेट सेवाएं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीकों के लिए हजारों छोटे उपग्रहों की आवश्यकता बढ़ रही है। ऐसे में भारत कम लागत और उच्च विश्वसनीयता के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त कर सकता है। विक्रम-1 को विकसित करने वाली निजी कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस ने भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक विक्रम साराभाई के नाम पर इस रॉकेट का नामकरण कर न सिर्फ उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की है, बल्कि हमारे औद्योगिक घरानों को भी यह संदेश दिया है कि कारोबार करते हुए भी अपने देश की समृद्ध विरासत का सम्मान किया जाना चाहिए।

गौर कीजिए, अप्रैल 1975 में जब भारत ने अपना पहला उपग्रह अंतरिक्ष में भेजा था, तब उसका नामकरण महान खगोल वैज्ञानिक आर्यभट्ट के नाम पर किया गया था। यह सफलता केवल एक कंपनी की उपलब्धि नहीं है। यह उस नई नीति का परिणाम भी है जिसके अंतर्गत भारत सरकार ने अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी निवेश और स्टार्टअप के लिए खोलने का साहसिक निर्णय लिया। नई अंतरिक्ष नीति, इन-स्पेस जैसी संस्थाओं की स्थापना तथा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के लिए उदार प्रावधानों ने भारतीय युवाओं के सामने नए अवसरों के द्वार खोल दिए हैं। आज देश में अनेक स्पेस स्टार्टअप उपग्रह निर्माण, प्रक्षेपण प्रणाली, अंतरिक्ष संचार और डेटा सेवाओं के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। यह परिवर्तन भारत को ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था की दिशा में मजबूत आधार प्रदान करेगा। किन्तु हर सफलता अपने साथ नई चुनौतियां भी लेकर आती है।

विक्रम-1 की पहली उड़ान सफल अवश्य रही है, परंतु अंतरिक्ष उद्योग में स्थायी सफलता केवल एक प्रक्षेपण से सुनिश्चित नहीं होती। स्काईरूट एयरोस्पेस को अब वैश्विक बाजार में स्पेसएक्स, रॉकेट लैब तथा चीन की अनेक निजी कंपनियों जैसी सशक्त प्रतिस्पर्धा का सामना करना होगा। नियमित ग्राहक, समय पर प्रक्षेपण, कम लागत, उच्च विश्वसनीयता तथा भविष्य में पुनः प्रयोज्य रॉकेट तकनीक विकसित करना उसकी अगली बड़ी परीक्षा होगी। अंतरिक्ष उद्योग में विश्वास सबसे बड़ी पूंजी होता है और वह निरंतर सफल अभियानों से ही अर्जित किया जा सकता है। इस ऐतिहासिक सफलता के बीच एक गंभीर प्रश्न भी हमारे सामने खड़ा है-क्या इसरो अपनी वैज्ञानिक प्रतिभाओं को लंबे समय तक अपने साथ बनाए रख पाएगा? हाल के वर्षों में अनेक अनुभवी वैज्ञानिक निजी क्षेत्र की ओर आकर्षित हुए हैं। इसका कारण केवल अधिक वेतन नहीं, बल्कि बेहतर कार्य संस्कृति, अनुसंधान की स्वतंत्रता, त्वरित निर्णय प्रक्रिया और नवाचार के लिए अनुकूल वातावरण भी है।

इसरो ने भारत को चंद्रयान, मंगलयान, आदित्य-एल1, गगनयान जैसी ऐतिहासिक उपलब्धियां दी हैं। सीमित संसाधनों में विश्वस्तरीय परिणाम देकर इसरो ने पूरी दुनिया का सम्मान अर्जित किया है। किंतु यदि प्रतिभाशाली वैज्ञानिक धीरे-धीरे संस्थान से बाहर जाते रहे तो दीर्घकाल में अनुसंधान और राष्ट्रीय अंतरिक्ष कार्यक्रम प्रभावित हो सकते हैं। इसलिए इसरो के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल नए मिशन तैयार करना नहीं, बल्कि वैज्ञानिक प्रतिभाओं को प्रेरित, सम्मानित और संतुष्ट बनाए रखना भी है। सरकार को चाहिए कि इसरो के वैज्ञानिकों के लिए प्रतिस्पर्धी वेतन संरचना, अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाएं, निर्णय लेने की अधिक स्वतंत्रता तथा नवाचार को प्रोत्साहित करने वाली नीतियां विकसित करे। सरकारी संस्थानों और निजी कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि सहयोग का वातावरण तैयार होना चाहिए। निजी क्षेत्र इसरो का विकल्प नहीं, बल्कि उसका सहयोगी बन सकता है। जिस प्रकार अमेरिका में नासा और स्पेसएक्स मिलकर अंतरिक्ष कार्यक्रमों को नई ऊंचाइयों तक ले जा रहे हैं, उसी प्रकार भारत में इसरो और निजी कंपनियों का समन्वय देश को वैश्विक नेतृत्व प्रदान कर सकता है।

आज आवश्यकता इस बात की भी है कि अंतरिक्ष विज्ञान को विद्यालयों और विश्वविद्यालयों के स्तर तक पहुंचाया जाए। विज्ञान केवल प्रयोगशालाओं का विषय न रहकर जन-आंदोलन बने। युवा वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और नवाचारकर्ताओं को स्टार्टअप इकोसिस्टम से जोड़ने के लिए विशेष प्रोत्साहन दिया जाए। यदि प्रत्येक राज्य में स्पेस टेक्नोलॉजी इनोवेशन सेंटर स्थापित किए जाएं, उद्योगों और विश्वविद्यालयों के बीच अनुसंधान साझेदारी विकसित की जाए तथा अंतरिक्ष तकनीक में निवेश को बढ़ावा दिया जाए तो भारत आने वाले वर्षों में विश्व का अग्रणी अंतरिक्ष नवाचार केंद्र बन सकता है। भविष्य की आकाशीय सफलताओं की नई जमीन तैयार करने के लिए कुछ रचनात्मक कदम अत्यंत आवश्यक हैं-इसरो और निजी कंपनियों के बीच संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएं प्रारंभ हों, पुनः प्रयोज्य रॉकेट तकनीक और हरित प्रणोदन (ग्रीन प्रोपल्शन) पर विशेष निवेश किया जाए; अंतरिक्ष विनिर्माण के लिए स्वदेशी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत किया जाए; युवाओं के लिए अंतरिक्ष उद्यमिता को बढ़ावा देने वाले विशेष कोष बनाए जाएं; तथा अंतरिक्ष कानूनों को सरल, पारदर्शी और निवेश-अनुकूल बनाया जाए। साथ ही, अंतरिक्ष मलबे (स्पेस डेब्रिस) के प्रबंधन, पर्यावरणीय सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर भी समान रूप से ध्यान देना होगा, क्योंकि भविष्य का अंतरिक्ष विकास केवल तकनीकी नहीं, बल्कि नैतिक और पर्यावरणीय उत्तरदायित्व का भी विषय है।

विक्रम-1 ने यह सिद्ध कर दिया है कि भारत अब केवल अंतरिक्ष में पहुंचने वाला देश नहीं, बल्कि अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करने की क्षमता रखने वाला राष्ट्र बन चुका है। यह सफलता नए भारत के आत्मविश्वास, युवाओं की प्रतिभा और वैज्ञानिक सोच की विजय है। यह उस राष्ट्र की कहानी है जिसने कभी साइकिल और बैलगाड़ी पर रॉकेट के पुर्जे ढोए थे और आज निजी क्षेत्र के माध्यम से वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज करा रहा है। वास्तव में, विक्रम-1 केवल एक रॉकेट नहीं, बल्कि भारत के वैज्ञानिक आत्मविश्वास का उड़ता हुआ प्रतीक है। यह सफलता हमें यह संदेश देती है कि यदि नीति, प्रतिभा, उद्योग और राष्ट्रीय संकल्प एक दिशा में आगे बढ़ें तो असंभव भी संभव बन जाता है। निजी क्षेत्र की यह सफलता विज्ञान में अभिरुचि रखने वाले भारतीयों के लिए एक आह्वान है- अंतरिक्ष सेनानियों करो प्रयाण, सारा आकाश तुम्हारा है। अब आवश्यकता इस बात की है कि इस ऐतिहासिक उपलब्धि को एक शुरूआत मानते हुए भारत अंतरिक्ष विज्ञान, अनुसंधान और नवाचार की ऐसी मजबूत नींव तैयार करे, जहां इसरो की गौरवशाली परंपरा और निजी क्षेत्र की नई ऊर्जा मिलकर विश्व को नई दिशा दें। तभी सच अर्थों में यह कहा जा सकेगा कि अब केवल धरती ही नहीं, बल्कि पूरा आकाश भी भारत की नई विकास-गाथा का विस्तार बन चुका है।

'योगी की जय कन्हैया व टेंशन में है अखिलेश भैया'

अशोक भाटिया

'योगी की जय कन्हैया व टेंशन में है अखिलेश भैया'–यह महज उत्तर प्रदेश की राजनीति में उपजा एक नया नारा या तात्कालिक राजनीतिक बयानबाजी नहीं है। असल में, यह आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की पिच तैयार करने, राज्य की राजनीति को एक बड़े वैचारिक ध्रुवीकरण की ओर ले जाने और विपक्ष की सामाजिक घेराबंदी करने का एक बेहद दूरगामी और सुनियोजित खाका है। हाथरस की जनसभा से लेकर संभल, बुलंदशहर और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के तमाम मंचों से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी (सपा) के मुखिया अखिलेश यादव को जिस प्रकार 'श्रीकृष्ण जन्मभूमि' और ब्रज संस्कृति के मुद्दे पर घेरा है, उसने सपा के रणनीतिकारों और थिंक-टैंक को एक बेहद गहरी 'टेंशन', कशमकश और राजनीतिक असमंजस में डाल दिया है।

यह नारा इस समय के पूरे सियासी घमासान के ऐतिहासिक संदर्भों, चुनावी गणित, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के उभार, समाजवादी पार्टी के सामने खड़ी अस्मितावादी दुविधा और भारतीय लोकतंत्र पर इसके पड़ने वाले व्यापक प्रभावों का एक अत्यंत निष्पक्ष, गंभीर और विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत करता है।

हमें उत्तर प्रदेश की राजनीति को समझने के लिए देश के सांस्कृतिक और धार्मिक इतिहास को समझना अनिवार्य है। भारतीय राजनीति में पिछले चार दशकों से 'अयोध्या, काशी और मथुरा' की तिकड़ी सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और दक्षिणपंथी विमर्श के केंद्र में रही है। जनवरी 2024 में अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण और रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वैचारिक और राजनीतिक एजेंडे में स्वाभाविक रूप से अगला सबसे बड़ा पड़ाव मथुरा की 'श्रीकृष्ण जन्मभूमि' है।

यह ताजा राजनीतिक विवाद तब और अधिक गर्मा गया जब समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अयोध्या में हुए राम मंदिर के चढ़ावे में कथित 'चोरी, वित्तीय अनियमितताओं और भूमि घोटालों' का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। इसके साथ ही उन्होंने यह भी बयान दिया कि यदि भविष्य में प्रदेश में उनकी सरकार आती है, तो वे अयोध्या को एक आदर्श 'धार्मिक नगरी' के रूप में और बेहतर ढंग से विकसित करेंगे ताकि वहां के स्थानीय निवासियों को असुविधा न हो।अखिलेश यादव के इसी आक्रामक दांव पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बेहद तीखा और रणनीतिक पलटवार किया। योगी ने जनसभाओं से सीधे तौर पर अखिलेश यादव को चुनौती देते हुए कहा:₹अखिलेश जी, आप अयोध्या की चिंता छोड़िए, पहले अपने अतीत के फैसलों पर पश्चाताप करिए और एक बार प्रभु श्रीरामलला के चरणों में जाकर दर्शन कर आइए, जिससे आपको सद्बुद्धि आए। अगर आप वास्तव में खुद को धार्मिक और सनातनी साबित करना चाहते हैं, तो मथुरा-वृंदावन और श्रीकृष्ण जन्मभूमि की मुक्ति के लिए खुलकर अपना स्टैंड साफ करिए।₹योगी आदित्यनाथ का यह तीखा बयान सपा को उसी की 'सॉफ्ट हिंदुत्व' और 'यदुवंशी' (यादव) पहचान की पिच पर घेरने की एक सोची-समझी राजनीतिक चाल है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की इस रणनीतिक घेराबंदी के पीछे कई ऐसे बिंदु हैं जो सीधे तौर पर बहुसंख्यक समाज की भावनाओं को छूते हैं। योगी आदित्यनाथ ने अपने भाषणों में लगातार जनता को यह याद दिलाया कि समाजवादी पार्टी के शासनकाल में उत्तर प्रदेश के थानों, चौकियों और जेलों में पारंपरिक रूप से होने वाले 'कृष्ण जन्माष्टमी' के भव्य आयोजनों पर अघोषित या लिखित रूप से रोक लगा दी गई थी। उन्होंने कांवड़ यात्राओं पर लगे पूर्ववर्ती प्रतिबंधों और लाठीचार्ज का भी जिक्र किया। इसके जरिए वे बहुसंख्यक हिंदू समाज के मन में यह संदेश गहरा करना चाहते हैं कि सपा का मूल चरित्र हमेशा से 'तुष्टिकरण' से प्रेरित रहा है और सत्ता में आते ही वे बहुसंख्यक धार्मिक आस्थाओं को दबाने का प्रयास करते हैं।

भाजपा ने विकास के आर्थिक मॉडल को धार्मिक आस्था और अस्मिता से जोड़कर एक नया नैरेटिव तैयार किया है। योगी आदित्यनाथ अक्सर अपने मंचों से कहते हैं कि 2017 से पहले जनता की गाढ़ी कमाई का पैसा 'कब्रिस्तानों की बाउंड्री वॉल' बनाने और विशेष त्योहारों के बिजली प्रबंधन में खर्च होता था, जबकि वर्तमान भाजपा सरकार उसी पैसे को अयोध्या, काशी, मथुरा, नैमिषारण्य और चित्रकूट के सौंदर्यीकरण तथा श्रद्धालुओं की बुनियादी सुविधाओं पर खर्च कर रही है। यह सीधा तुलनात्मक विमर्श आम जनता के बीच गहरी छाप छोड़ता है।

ब्रज क्षेत्र और देश भर के प्रमुख संत समाज, जिसमें अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद भी शामिल है, ने मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि की मुक्ति और शाही ईदगाह मस्जिद के स्थान पर भव्य मंदिर के निर्माण के लिए आगामी 9 अगस्त 2026 को सांकेतिक रूप से 'कार सेवा' करने का एक बड़ा और ऐतिहासिक ऐलान किया है। संतों ने सार्वजनिक रूप से अखिलेश यादव से सीधे तीखे सवाल किए हैं। संतों का कहना है कि यदि अखिलेश खुद को भगवान श्रीकृष्ण का वंशज (यदुवंशी) मानते हैं, तो उन्हें इस पवित्र अभियान का खुलकर समर्थन करना चाहिए और कार सेवा के लिए 'पहला पत्थर' उठाने के लिए खुद आगे आना चाहिए। दरअसल अखिलेश यादव इस समय एक ऐसी त्रिशंकु स्थिति में फंस गए हैं जहां उनका हर एक कदम एक नया राजनीतिक जोखिम लेकर आ रहा है। इस 'टेंशन' के तीन मुख्य पहलू हैं: 1: 'एम-वाई' (ट-) समीकरण के बिखरने का सीधा खतरा - समाजवादी पार्टी की मुख्य ताकत और चुनावी आधार पारंपरिक रूप से मुस्लिम (ट) और यादव ( ) मतदाताओं के मजबूत और अटूट गठजोड़ पर टिका रहा है। योगी आदित्यनाथ ने मथुरा का मुद्दा उठाकर इसी गठजोड़ की सबसे कमजोर नस पर हाथ रख दिया है:यदि अखिलेश मथुरा आंदोलन का समर्थन करते हैं तो उनका सबसे वफादार और एकजुट 'मुस्लिम' वोटबैंक उनसे पूरी तरह से नाराज और ठगा हुआ महसूस कर सकता है, क्योंकि मुस्लिम समुदाय शाही ईदगाह मस्जिद के कानूनी और धार्मिक वजूद को बचाने के पक्ष में है। उन्हें लगेगा कि सपा भी भाजपा के 'बहुसंख्यकवाद' के आगे नतमस्तक हो गई है।यदि अखिलेश मथुरा आंदोलन का विरोध करते हैं: तो भाजपा और संत समाज उन्हें तुरंत 'सनातन विरोधी' और 'मुस्लिम तुष्टिकरण का सबसे बड़ा पैरोकार' घोषित कर देंगे। इससे यादव समुदाय और अन्य पिछड़ी जातियों का वह बड़ा हिस्सा, जो अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान को लेकर अत्यधिक भावुक और सजग है, सपा से छिटक कर भाजपा के पाले में जा सकता है।अखिलेश यादव अक्सर रैलियों में और भगवान कृष्ण की मूर्तियां स्थापित करवाकर यह गर्व से कहते आए हैं कि भगवान कृष्ण मेरे भी सपने में आते हैं और हम उनके सच्चे वंशज हैं। लेकिन जब बात कानूनी विवादों, शाही ईदगाह मस्जिद के सर्वे और मंदिर निर्माण के लिए सड़क पर उतरने की आती है, तो उन्हें अपनी पार्टी की वाम-प्रगतिशील और 'धर्मनिरपेक्ष' छवि को भी अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर बनाए रखना होता है। यह वैचारिक अंतर्विरोध उनकी राजनीतिक शैली को कमजोर, रक्षात्मक और अस्पष्ट दिखाता है।

पहलू 3: राजनीतिक पिच पर भाजपा की रणनीतिक बढ़त - लोकसभा चुनाव के बाद अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश में बेरोजगारी, महंगाई, पेपर लीक, कानून-व्यवस्था, और सांडों की समस्या जैसे बुनियादी धरातलीय मुद्दों पर सरकार को लगातार घेर रहे थे और उन्हें इसमें सफलता भी मिल रही थी। लेकिन जैसे ही 'श्रीकृष्ण जन्मभूमि' और 'कार सेवा' का मुद्दा विमर्श के केंद्र में आया, पूरी राजनीतिक बहस का रुख एक बार फिर से 'धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान' पर केंद्रित हो गया। भाजपा हमेशा से इस 'धार्मिक पिच' पर खेलने में माहिर रही है, जिससे विपक्ष द्वारा उठाए गए बुनियादी और आर्थिक मुद्दे नेपथ्य में चले जाते हैं। इस चौतरफा वैचारिक हमले और तनाव के बीच अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी पूरी तरह से हथियार डालकर नहीं बैठी है। वे भाजपा के इस भारी-भरकम धार्मिक राष्ट्रवाद का मुकाबला करने के लिए अपनी एक अलग और मूक रणनीति पर काम कर रहे हैं:'असली बनाम नकली' सनातन की बहस: अखिलेश यादव और उनके प्रखर प्रवक्ता टीवी चैनलों और रैलियों में यह तर्क दे रहे हैं कि वे भी सच्चे सनातनी हैं और भगवान विष्णु के अवतार कृष्ण की पूजा करते हैं, लेकिन वे धर्म का उपयोग 'नफरत फैलाने', समाज को बांटने या 'वोट बटोरने' के लिए नहीं करते। वे अक्सर भाजपा पर 'धर्म के व्यवसायीकरण' और धार्मिक स्थलों पर स्थानीय दुकानदारों व पंडा-पुजारियों के उत्पीड़न का आरोप लगाते हैं।इस समय सपा का पूरा प्रयास यह है कि वे खुद को भाजपा द्वारा बुने गए इस धार्मिक विवाद के जाल में पूरी तरह से फंसने न दें। वे लगातार युवाओं की बेकारी, उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती पेपर लीक, किसानों की फसलों के दाम, और स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली का मुद्दा उठाकर जनता का ध्यान उनकी बुनियादी और दैनिक जरूरतों की ओर खींचने की कोशिश कर रहे हैं।न्यायालय की ढाल और विधिक प्रक्रिया का सहारा: मथुरा और काशी के संवेदनशील मुद्दों पर सपा का आधिकारिक रुख हमेशा यह रहता है कि यह मामला चूंकि देश की माननीय अदालतों (हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट) के विचाराधीन है, इसलिए सभी पक्षों को कानून और अदालती फैसले का सम्मान करना चाहिए। इसके जरिए वे किसी भी समुदाय को नाराज किए बिना सीधे विरोध या समर्थन करने की स्थिति से साफ बच निकलते हैं।

'योगी की जय कन्हैया व टेंशन में है अखिलेश भैया' का यह पूरा राजनीतिक प्रकरण यह साफ तौर पर दर्शाता है कि 21वीं सदी के भारत और विशेषकर देश के सबसे बड़े राजनीतिक सूबे उत्तर प्रदेश में, राजनीति केवल आर्थिक पैमानों, बुनियादी विकास के दावों या पुराने जातिगत गठबंधनों के सहारे नहीं जीती जा सकती। यहाँ 'सांस्कृतिक अस्मिता', 'धार्मिक चेतना' और 'ऐतिहासिक गौरव' मतदाताओं के व्यवहार और उनकी प्राथमिकताओं को प्रभावित करने वाले सबसे शक्तिशाली और निर्णायक कारक बन चुके हैं।

पारिवारिक विवाद में योगी ने दी मयार्दा और संवाद की सीख

-संजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जनता दर्शन कार्यक्रम का सीधा प्रसारण और उसमें होने वाली बातचीत अक्सर प्रदेश की सामाजिक नब्ज को समझने का एक बड़ा माध्यम बन जाती है। 20 जुलाई को आयोजित जनता दर्शन में भी कुछ ऐसा ही हुआ, जब दर्जनों फरियादी अपनी समस्याओं की गठरी लेकर लखनऊ में मुख्यमंत्री आवास पहुंचे। इन फरियादियों में से एक बड़ा वर्ग उन लोगों का था, जो पारिवारिक कलह, संपत्ति के विवाद या रिश्तों की तल्खी से जूझ रहे थे। दरअसल, आमतौर पर जब हम किसी सत्ता के केंद्र की ओर रुख करते हैं, तो उम्मीद यही होती है कि वहां से कोई कड़ा आदेश निकलेगा या कोई प्रशासनिक कार्रवाई होगी, लेकिन योगी आदित्यनाथ ने इस बार जिस तरह से इन पारिवारिक उलझनों को संबोधित किया, वह किसी भी सरकारी आदेश से कहीं अधिक प्रभावी और मानवीय था। उन्होंने जो नसीहत दी, वह केवल एक मुख्यमंत्री की सलाह नहीं थी, बल्कि एक अभिभावक की वह चिंता थी, जो समाज की सबसे छोटी और महत्वपूर्ण इकाई, यानी परिवार, को बिखरने से बचाने के लिए जरूरी है।

पारिवारिक विवाद लेकर अपने आवास पहुंचे परिवार को सीएम ने बहुत स्पष्ट शब्दों में कहा कि पारिवारिक विवादों को सड़कों पर या सरकारी दफ्तरों की फाइलों में घसीटने से मामला सुलझने के बजाय और अधिक उलझ जाता है। जब कोई व्यक्ति अपने घर की चारदीवारी के अंदर की बात को बाहर लाता है, तो वह अनजाने में उन लोगों को भी उस विवाद का हिस्सा बना लेता है, जिनका उस रिश्ते या उस संपत्ति से कोई लेना-देना नहीं होता। बहरहाल, योगी की यह बात बहुत गहराई रखती है कि निजी मामलों में बाहरी लोगों की दखलंदाजी अक्सर आग में घी का काम करती है। समाज में कई बार ऐसे तत्व होते हैं, जो अनजाने या स्वार्थवश विवादों को सुलझाने के बजाय उन्हें हवा देते हैं, जिससे परिवार के सदस्यों के बीच अहंकार की दीवार और ऊंची हो जाती है। योगी ने उन लोगों को आईना दिखाते हुए कहा कि जो विवाद घर के बड़े-बुजुर्गों के साथ बैठकर हल किए जा सकते थे, उन्हें पुलिस थानों या कचहरी की चौखट तक ले जाना वक्त, पैसा और मानसिक शांति को गंवाना है।

गौरतलब हो, संपत्ति के बंटवारे के विवाद आजकल पारिवारिक कलह की सबसे बड़ी जड़ बने हुए हैं। अक्सर देखा जाता है कि भाई-भाई या पिता-पुत्र के बीच जमीन या मकान को लेकर हुआ मामूली मतभेद देखते ही देखते एक बड़ी कानूनी लड़ाई में तब्दील हो जाता है। मुख्यमंत्री ने ऐसे मामलों में संवाद की महत्ता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संपत्ति तो आती-जाती रहती है, लेकिन खून के रिश्ते एक बार बिखर जाएं, तो उन्हें जोड़ना नामुमकिन हो जाता है। योगी ने फरियादियों से कहा कि वे एक बार ठंडे दिमाग से अपने परिवार के बड़ों को बैठाएं, क्योंकि बड़ों का अनुभव और उनकी मध्यस्थता कई बार उस समस्या का हल निकाल लेती है, जो सालों की कानूनी कार्यवाही भी नहीं कर पाती। उनका यह दृष्टिकोण समाज के उन लोगों के लिए एक सबक है, जो छोटी-छोटी बातों पर मान-मयार्दा भूलकर कोर्ट-कचहरी के चक्कर काटते हैं। यह नसीहत न केवल परिवारों को टूटने से बचा सकती है, बल्कि समाज में सद्भाव की एक नई संस्कृति को भी जन्म दे सकती है, जहां विवाद समाधान के लिए नहीं, बल्कि आपसी सहमति की तलाश के लिए चर्चा की जाती है।

योगी आदित्यनाथ ने जो सबसे महत्वपूर्ण बात कही, वह आने वाली पीढ़ी के भविष्य से जुड़ी है। उन्होंने बहुत संवेदनशीलता के साथ रेखांकित किया कि परिवार के भीतर का क्लेश केवल उन दो व्यक्तियों तक सीमित नहीं रहता, जो लड़ रहे हैं, बल्कि उसका सीधा और गहरा असर घर के बच्चों पर पड़ता है। जिस घर में दिन-रात कलह हो, वहां बच्चों के कोमल मन पर जो नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, उसकी भरपाई किसी भी धन-संपत्ति से नहीं हो सकती। बच्चों के मानसिक विकास, उनकी पढ़ाई और उनके आत्मविश्वास पर इसका जो दुष्प्रभाव पड़ता है, वह उन्हें जीवन भर के लिए पीछे धकेल सकता है। योगी की यह चिंता दशार्ती है कि वे केवल एक राजनेता की भूमिका में नहीं, बल्कि एक समाज सुधारक की भूमिका में बात कर रहे थे। उन्होंने यह संदेश दिया कि अगर हम वास्तव में अपने बच्चों के बेहतर भविष्य की कामना करते हैं, तो हमें अपने व्यक्तिगत अहंकार को त्यागकर शांति और संवाद का मार्ग अपनाना होगा। धैर्य का अर्थ हार मान लेना नहीं, बल्कि रिश्तों को सहेजने के लिए दी गई एक और कोशिश है।

लब्बोलुआब यह है कि मुख्यमंत्री की इन बातों का समाज पर व्यापक असर हो सकता है, बशर्ते लोग इसे गंभीरता से लें। आज के भागदौड़ भरे दौर में सहनशीलता और धैर्य की कमी ने परिवारों को कमजोर कर दिया है। सोशल मीडिया और बाहरी दुनिया के प्रभाव में आकर लोग अपने घर की बातें सार्वजनिक करने में संकोच नहीं करते, जिससे गोपनीयता खत्म हो जाती है और विवाद सार्वजनिक संपत्ति बन जाते हैं। योगी की यह नसीहत लोगों को आत्मचिंतन के लिए प्रेरित करती है। यदि लोग यह समझने लगें कि घर के मसले घर में ही रहकर बातचीत से सुलझाए जा सकते हैं, तो न केवल अदालतों का बोझ कम होगा, बल्कि परिवारों में भी प्रेम और विश्वास की वापसी होगी। यह एक प्रकार का सामाजिक सुधार है, जो कानून के डंडे से नहीं, बल्कि समझदारी और मानवीय संवेदनाओं के मेल से ही संभव है। मुख्यमंत्री का यह जनता दर्शन कार्यक्रम न केवल फरियाद सुनने का केंद्र बना, बल्कि यह लोगों को एक साथ जीने और एक-दूसरे को समझने का अनमोल पाठ भी पढ़ा गया। अंततः, एक स्वस्थ समाज का निर्माण स्वस्थ परिवारों से ही होता है, और योगी जी की यह पहल उसी स्वस्थ समाज की दिशा में एक साहसी और दूरदर्शी कदम है।

जंतर-मंतर : जनआवाज या राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन का नया केंद्र...?

-सुरेश गांधी

नई दिल्ली का जंतर-मंतर एक बार फिर राष्ट्रीय राजनीति और जनचर्चा के केंद्र में है। देश की राजधानी में जब भी कोई बड़ा विरोध प्रदर्शन होता है, उसकी गूंज केवल दिल्ली तक सीमित नहीं रहती, बल्कि संसद, राजनीतिक दलों, मीडिया और पूरे देश के जनमत को प्रभावित करती है। यही कारण है कि हर बड़ा धरना-प्रदर्शन अपने साथ कई सवाल भी लेकर आता है। क्या यह केवल जनता की नाराजगी की स्वाभाविक अभिव्यक्ति है, या इसके पीछे कोई संगठित राजनीतिक रणनीति भी काम कर रही है? क्या यह लोकतंत्र की स्वस्थ परंपरा है या जनभावनाओं को राजनीतिक दिशा देने का प्रयास?

भारत का लोकतंत्र विरोध की संस्कृति को संवैधानिक मान्यता देता है। नागरिकों को अपनी बात शांतिपूर्ण ढंग से रखने का अधिकार है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में अनेक ऐसे आंदोलन हुए जिन्होंने सरकारों की नीतियां बदलीं, कानूनों में संशोधन कराया और कई बार राजनीतिक सत्ता परिवर्तन तक का मार्ग प्रशस्त किया। इसलिए किसी भी विरोध प्रदर्शन को केवल इसलिए संदेह की दृष्टि से नहीं देखा जा सकता कि वह सरकार के खिलाफ है। लेकिन पिछले एक दशक में विरोध प्रदर्शनों की प्रकृति बदली है। अब आंदोलन केवल सड़क पर नहीं चलते, बल्कि सोशल मीडिया, डिजिटल अभियान, अंतरराष्ट्रीय विमर्श और राजनीतिक संदेशों के माध्यम से भी आकार लेते हैं। कुछ घंटों में कोई स्थानीय मुद्दा राष्ट्रीय बहस बन जाता है।

शाहीन बाग आंदोलन इसका बड़ा उदाहरण था। नागरिकता संशोधन कानून के विरोध में शुरू हुआ यह आंदोलन धीरे-धीरे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विमर्श का विषय बन गया। समर्थकों ने इसे लोकतांत्रिक प्रतिरोध कहा, जबकि आलोचकों ने आरोप लगाया कि इसे राजनीतिक और वैचारिक संगठनों का समर्थन प्राप्त था। बाद में किसान आंदोलन भी लंबे समय तक राष्ट्रीय राजनीति का केंद्र बना। किसानों की मांगें वास्तविक थीं, लेकिन उसके समानांतर विभिन्न राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और अन्य समूहों की सक्रियता भी लगातार चर्चा का विषय रही। इन दोनों घटनाओं से एक बात स्पष्ट हुई कि आज का कोई भी बड़ा आंदोलन केवल धरना स्थल तक सीमित नहीं रहता। उसके समानांतर राजनीतिक विमर्श, मीडिया नैरेटिव और डिजिटल प्रचार भी चलता है।

इसी पृष्ठभूमि में जंतर-मंतर पर हो रहे किसी भी बड़े प्रदर्शन को देखा जाना स्वाभाविक है। यह भी सत्य है कि भारत अब लगातार चुनावी मोड में रहने वाला लोकतंत्र बन चुका है। किसी न किसी राज्य में चुनाव होते रहते हैं। ऐसे में हर बड़ा आंदोलन राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हो जाता है। सत्ता पक्ष उसे विपक्ष की रणनीति मान सकता है, जबकि विपक्ष उसे जनभावनाओं की आवाज बताता है। यही लोकतांत्रिक राजनीति की स्वाभाविक प्रक्रिया है। सोशल मीडिया ने इस पूरी तस्वीर को और जटिल बना दिया है। अब किसी आंदोलन की सफलता केवल भीड़ से नहीं, बल्कि डिजिटल प्रभाव से भी मापी जाती है। हैशटैग, लाइव प्रसारण, वीडियो क्लिप, प्रभावशाली व्यक्तियों की टिप्पणियां और अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रियाएं किसी भी आंदोलन को व्यापक स्वरूप दे सकती हैं।

दूसरी ओर, यही माध्यम अफवाहों, आधी-अधूरी सूचनाओं और भ्रामक दावों को भी तेजी से फैलाने का कारण बन सकता है। इसलिए सत्यापन पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। जंतर-मंतर की राजनीति का भी अपना इतिहास है। यह स्थान लंबे समय से लोकतांत्रिक विरोध का प्रतीक रहा है। यहां सरकारी कर्मचारी, छात्र, किसान, पूर्व सैनिक, सामाजिक संगठन, महिला समूह, धार्मिक प्रतिनिधि और विभिन्न वर्ग अपनी मांगों को लेकर आते रहे हैं। हालांकि, एक प्रश्न अवश्य महत्वपूर्ण है—क्या हाल के वर्षों में आंदोलनों की अवधि, उनका संगठन और उनका प्रचार पहले की तुलना में अधिक योजनाबद्ध दिखाई देता है? इस प्रश्न पर राजनीतिक विश्लेषकों के अलग-अलग मत हैं। कुछ इसे डिजिटल युग का स्वाभाविक परिणाम मानते हैं, जबकि कुछ इसे आधुनिक राजनीतिक प्रबंधन का हिस्सा बताते हैं।

सरकारों की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। यदि किसी आंदोलन के पीछे अवैध वित्तपोषण, विदेशी हस्तक्षेप या हिंसा की योजना होने के संकेत मिलते हैं, तो उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और यदि आरोप सिद्ध हों तो कानून के अनुसार कार्रवाई भी होनी चाहिए। लेकिन यदि आंदोलन शांतिपूर्ण और संवैधानिक दायरे में है, तो उससे संवाद लोकतंत्र का सबसे मजबूत उत्तर माना जाता है। दूसरी ओर, आंदोलनकारी संगठनों की भी जिम्मेदारी है कि वे पारदर्शिता बनाए रखें। उनके उद्देश्य, नेतृत्व, वित्तीय स्त्रोत और कार्यक्रम स्पष्ट हों, ताकि अनावश्यक संदेह की गुंजाइश कम रहे। मीडिया की भूमिका इस पूरे परिदृश्य में सबसे अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। यदि मीडिया केवल आरोपों को तथ्य की तरह प्रस्तुत करेगा, तो जनविश्वास कमजोर होगा। यदि वह वास्तविक प्रश्नों की अनदेखी करेगा, तब भी लोकतंत्र कमजोर होगा। इसलिए पत्रकारिता का संतुलन ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है—न सरकार का प्रवक्ता, न आंदोलन का प्रचारक, बल्कि तथ्यों का विश्वसनीय प्रस्तुतकर्ता।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हर बड़े विरोध को तीन कसौटियों पर परखा जाए—क्या मुद्दा वास्तविक है? क्या विरोध शांतिपूर्ण और संवैधानिक है? और क्या किसी राजनीतिक या अन्य प्रभाव के दावे के समर्थन में ठोस प्रमाण उपलब्ध हैं? यदि इन तीनों प्रश्नों के उत्तर ईमानदारी से खोजे जाएं, तो अधिकांश भ्रम स्वतः दूर हो जाएंगे। जंतर-मंतर का वर्तमान प्रदर्शन चाहे जिस मुद्दे पर हो, उसने एक बार फिर यह याद दिलाया है कि लोकतंत्र केवल चुनावों से नहीं चलता; वह संवाद, असहमति और जवाबदेही से भी मजबूत होता है। साथ ही यह भी उतना ही आवश्यक है कि लोकतांत्रिक अधिकारों की आड़ में हिंसा, भ्रामक सूचना या अप्रमाणित आरोपों को वैधता न मिले। अंततः सबसे बड़ा प्रश्न यही नहीं है कि जंतर-मंतर पर कौन बैठा है, बल्कि यह है कि उस आंदोलन का उद्देश्य क्या है, उसके तरीके कितने लोकतांत्रिक हैं और उसके बारे में हमारी राय तथ्य पर आधारित है या केवल पूर्वाग्रह पर। लोकतंत्र की परिपक्वता भी इसी कसौटी पर परखी जाएगी।

आखिर क्यों हर बड़ा आंदोलन दिल्ली में ही राष्ट्रीय मुद्दा बन जाता है?

संसद और केंद्र सरकार की नजदीकी। राष्ट्रीय मीडिया की चौबीसों घंटे मौजूदगी। सोशल मीडिया पर तत्काल राष्ट्रीय चर्चा। विपक्ष और सत्ता पक्ष दोनों के लिए राजनीतिक संदेश देने का सबसे प्रभावी मंच। अंतरराष्ट्रीय मीडिया का भी तुरंत ध्यान आकर्षित होना।

लोकतंत्र में किसी आंदोलन का समर्थन करना किसी भी राजनीतिक दल का अधिकार है। लेकिन जब आंदोलन और राजनीति की सीमाएं धुंधली होने लगती हैं, तब सवाल उठना स्वाभाविक है। ऐसे प्रश्नों के उत्तर आरोपों से नहीं, बल्कि तथ्यों, दस्तावेजों और जांच से मिलने चाहिए।

सोशल मीडिया: आंदोलन का नया हथियार

-कुछ मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच।

-लाइव वीडियो से राष्ट्रीय विमर्श।

-हैशटैग से जनमत निर्माण।

- लेकिन फर्जी वीडियो, पुरानी तस्वीरें और भ्रामक सूचनाओं का भी उतना ही बड़ा खतरा।

लोकतंत्र में विरोध आवश्यक है, लेकिन उतना ही आवश्यक है पारदर्शिता। यदि कोई आंदोलन जनता की वास्तविक पीड़ा का प्रतिनिधित्व करता है तो उसे सुना जाना चाहिए। यदि उसके बारे में राजनीतिक या अन्य प्रकार के प्रभाव के आरोप लगाए जाते हैं, तो उनकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत यही है कि वह सवाल पूछने की आजादी देता है—और सबसे बड़ी जिम्मेदारी यह कि जवाब तथ्यों पर आधारित हों, धारणाओं पर नहीं।

मुलुंड में मेधावी विद्यार्थियों का किया गया सम्मान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुलुंड (पश्चिम) स्थित महाराष्ट्र सेवा संघ सभागार में नगरसेवक प्रकाश गंगाधरे के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी एवं मुलुंड सेवा संघ के संयुक्त तत्वावधान में 28वें गुणवंत विद्यार्थी सम्मान समारोह का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम में दसवीं एवं बारहवीं बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। समारोह में दसवीं बोर्ड परीक्षा में 100 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाली छात्रा ईशा संतोष सोनवणे का विशेष सम्मान महाराष्ट्र के सूचना प्रौद्योगिकी एवं सांस्कृतिक कार्य मंत्री तथा मुंबई उपनगर के पालकमंत्री एडवोकेट आशीष शेलार, भाजपा मुंबई अध्यक्ष एवं विधायक अमित साटम तथा बृहन्मुंबई महानगरपालिका की महापौर ऋतु तावड़े के करकमलों से किया गया। सभी सम्मानित विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति-पत्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट किए गए। इस अवसर पर अतिथियों ने विद्यार्थियों को कठिन परिश्रम, अनुशासन और निरंतर सीखने की भावना बनाए रखने की प्रेरणा देते हुए देश और समाज के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया। वहीं, सिलिका इंस्टीट्यूट की संचालिका कविता रेडकर ने विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा, करियर विकल्पों और भविष्य की योजना को लेकर उपयोगी मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम में विधायक मिहिर कोटेचा, भाजपा प्रवक्ता अवधूत वाघ, वरिष्ठ पत्रकार सुखरूप खांडेकर, रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के मुलुंड तालुका अध्यक्ष योगेश शीलवंत सहित अनेक गणमान्य नागरिक, शिक्षक, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। आयोजकों ने बताया कि पिछले 28 वर्षों से आयोजित यह सम्मान समारोह विद्यार्थियों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने और उन्हें शिक्षा, संस्कार एवं समाजसेवा के प्रति प्रेरित करने का सफल माध्यम बना हुआ है।

दक्षिण कोरिया में वर्ल्ड ताइक्वांडो कल्चर एक्सपो में जयेश ट्रेनिंग क्लासेस का ऐतिहासिक प्रदर्शन

23 स्वर्ण, 11 रजत और 2 कांस्य पदकों की शानदार उपलब्धि

मुंबई (उत्तरशक्ति)। दक्षिण कोरिया के ताइक्वांडोवन में 17 से 20 जुलाई तक आयोजित प्रतिष्ठित वर्ल्ड ताइक्वांडो कल्चर एक्सपो 2026 अंतरराष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में मुंबई के जयेश ट्रेनिंग क्लासेस के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत का तिरंगा गर्व से लहराया। दुनिया भर से लगभग 2,500 से 3,000 खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। जयेश ट्रेनिंग क्लासेस के खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कुल 23 स्वर्ण, 11 रजत और 2 कांस्य पदक जीतकर भारत का गौरव बढ़ाया। इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में पूमसे और क्योरुगी दोनों वर्गों में 8, 10, 12, 14 और 17 वर्ष से कम आयु वर्ग के साथ-साथ वरिष्ठ वर्ग के खिलाड़ियों ने भी भाग लिया। विभिन्न आयु वर्गों में भारतीय खिलाड़ियों ने अपने कौशल, गति, सटीकता और आत्मविश्वास का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। इस ऐतिहासिक सफलता के पीछे अंतरराष्ट्रीय निर्णायक एवं प्रशिक्षक जयेश वेल्हाळ का मार्गदर्शन महत्वपूर्ण रहा। साथ ही प्रशिक्षक निशांत शिंदे, यश दलवी, कृपेश रणक्षेत्रे, स्वप्नील शिंदे, चंदन परिडा और अमित यादव के समर्पित प्रशिक्षण के कारण खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया।

टाटा एआईए की बड़ी उपलब्धिद्व, एजेंसी डिस्ट्रीब्यूशन में मजबूत प्रदर्शन

मुंबई/पटना। भारत की एक प्रमुख जीवन बीमा कंपनी, टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने घोषणा की है कि बिहार में उसके 14 सलाहकार 'मिलियन डॉलर राउंड टेबल' के लिए क्वालिफाई हुए हैं। यह कामयाबी ग्राहकों को बेहतरीन वित्तीय सलाह देने के कंपनी के वादे को मजबूत करती है। साल 2026 की ग्लोबल एमडीआरटी रैंकिंग के मुताबिक, इस प्रतिष्ठित एमडीआरटी खिताब को हासिल करने वालों में अकेले बेगुसराय से 8 सलाहकार शामिल हैं। यह पड़ाव टाटा एआईए के सलाहकार नेटवर्क के बड़े पैमाने, बेहतरीन गुणवत्ता और निरंतरता को दशार्ता है। खास बात यह है कि क्वालिफाई करने वाले सलाहकारों में 695 यानी लगभग आधी महिलाएं हैं। यह इस बात का एक बड़ा और सकारात्मक संकेत है कि भारतीय वित्तीय सलाह के क्षेत्र में सबसे आगे रहकर कौन अपना करियर बना रहा है। साथ ही, यह सभी को समान अवसर देने वाले सलाहकार इकोसिस्टम के प्रति टाटा एआईए की प्रतिबद्धता को भी दिखाता है।

जियोस्टार इस फेस्टिव सीजन को बनाएगा और भी बिग्ग, पूरे भारत में एक साथ लॉन्च होंगे बिग बॉस के छह संस्करण

मुंबई/पटना। भारत जैसे ही फेस्टिव सीजन की तैयारियों में जुटा है, जियोस्टार देश के सबसे बड़े रियलिटी एंटरटेनमेंट फ्रेंचाइजी बिग बॉस के छह संस्करणों–हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और बांग्ला–को लॉन्च करने जा रहा है। पहली बार देशभर के दर्शक एक साथ विभिन्न भाषाओं में बिग बॉस का रोमांच, ड्रामा और फैनडम अनुभव करेंगे, जो भारतीय रियलिटी मनोरंजन के इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। सितंबर 2026 से ये सभी संस्करण जियोस्टार के टेलीविजन नेटवर्क और जियोहॉटस्टार पर प्रसारित किए जाएंगे। इस भव्य आयोजन को और खास बनाएगी शो की प्रतिष्ठित होस्ट्स की टीम–सलमान खान, विजय सेतुपति, नागार्जुन, किच्चा सुदीप और मोहनलाल–जो अपने-अपने क्षेत्रों में बिग बॉस का पर्याय बन चुके हैं। इस बार बंगाल के गौरव और देश के प्रिय दादा सौरव गांगुली भी इस फ्रेंचाइजी से जुड़ रहे हैं, जिससे इसकी स्टार पावर और मजबूत होगी। इस ऐतिहासिक अवसर को यादगार बनाने के लिए जियोस्टार ने इंडियाज बिग्ग रियलिटी नामक देश की पहली डेटा-समृद्ध कॉफी टेबल बुक भी लॉन्च की है।

मीरा रोड में श्री एल आर तिवारी विश्वविद्यालय का सपना साकार, मुख्यमंत्री फडणवीस ने दी बधाई

भायंदर (उत्तरशक्ति)। विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा, अनुसंधान और समग्र विकास का प्रमुख केंद्र है। यह छात्रों को विशेष ज्ञान, महत्वपूर्ण और रोजगार के अवसर प्रदान करता है, जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार होता है और राष्ट्र निर्माण में मदद मिलती है। राहुल एजुकेशन के चेयरमैन लल्लन तिवारी के जन्मदिन के अवसर पर आज महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह ने अगले सत्र से मीरा रोड में श्री एल आर तिवारी विश्वविद्यालय के शुरू होने की सूचना देते हुए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस तथा उच्च शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटील को मीरा भायंदर शहर की जनता की तरफ से धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि पंडित लल्लन तिवारी के जन्मदिन पर इससे बड़ा तोहफा क्या हो सकता है? साथ ही उन्होंने लल्लन तिवारी से अगले संकल्प के रूप में मेडिकल कॉलेज खोलने का अनुरोध किया। उन्होंने मंच पर उपस्थित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र के दो विधायक सुशील कुमार सिंह तथा डॉ. अवधेश सिंह से निवेदन किया कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलकर मेडिकल कॉलेज बनाने का संकल्प पूरा करा सकते हैं। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख लोगों में विधायक नरेंद्र मेहता, ऑल इंडिया एंटी टेररिस्ट फ्रंट के अध्यक्ष मनिंदरजीत सिंह बिट्टा, वरिष्ठ समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह, आचार्य पवन त्रिपाठी, प्रमोद मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार ओम प्रकाश सिंह, एडवोकेट अखिलेश चौबे, परिवहन समिति के सभापति एडवोकेट राजकुमार मिश्रा आदि का समावेश रहा। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में रामधारी सिंह दिनकर सेवा समिति के सचिव मृत्युंजय सिंह दीपू द्वारा अगले 60 दिनों तक देश के अलग-अलग प्रदेशों में वृक्षारोपण अभियान के शुभारंभ की घोषणा की गई। विगत 8 वर्षों में संस्था द्वारा 26200 वृक्षों का सफल रोपण किया जा चुका है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने लल्लन तिवारी को फोन कर मीरा रोड में श्री एल आर तिवारी विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए बधाई दी। इसके पहले कॉलेज के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। राहुल एजुकेशन की सचिव कृष्णा तिवारी तथा सीओओ उत्सव तिवारी ने राहुल एजुकेशन के विकास पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर मीरा भायंदर महानगरपालिका में सभागृह नेता एडवोकेट रवि व्यास, नगरसेवक मदन सिंह नगरसेवक दरोगा पांडे, नगरसेवक मुन्ना सिंह, नगरसेवक अशोक तिवारी, दिनेश उपाध्याय, दिनेश त्रिपाठी, भाजपा जिला मंत्री बृजेश तिवारी, शिवसेना नेता विक्रम प्रताप सिंह, शिवसेना नेता गुलाब दुबे, एडवोकेट जितेंद्र शुक्ला, एडवोकेट गुलाब शुक्ला, जितेंद्र दुबे,संदीप तिवारी, प्रमोद तिवारी, प्रदीप तिवारी, समाजसेवी अजय सदानंद दुबे, संदीप सिंह फौजी, सूर्यमणि तिवारी, हरिवंश सिंह, संजय पांडे, अमरीश सिंह भोला, पूर्व ब्लाक प्रमुख भूरा सिंह, गगन सिंह, महेंद्र सिंह, अजय सिंह, जुलम तिवारी, पप्पू पासवान, देवेंद्र तिवारी, संदीप तिवारी, अजय एल दुबे, उमाशंकर तिवारी एडवोकेट आर जे मिश्रा, विजय मिश्रा समेत भारी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अंत में राहुल एजुकेशन के सचिव राहुल तिवारी ने सभी लोगों के प्रति आभार पूर्वक धन्यवाद ज्ञापित किया।

बारिश में जनता का सहारा बनी भाजपा की छतरियां

◆वार्ड नंबर 16 के नगरसेवक नवीन सिंह ने 1000 छतरियां बांटकर नागरिकों को दी राहत

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड। मीरा भायंदर महानगरपालिका के वार्ड नंबर 16 के भाजपा नगरसेवक नवीन सिंह की ओर से मीरा रोड स्थित उनके जनसंपर्क कार्यालय में नागरिकों के बीच 1000 छतरियों का वितरण किया गया। लगातार हो रही बारिश के बीच आयोजित इस जनसेवा कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता उपस्थित रहे। इस अवसर पर नवीन सिंह के साथ भाजपा प्रवक्ता भारत मिश्रा, संदीप पांडेय, वंदना भावसार, राजन सिंघानिया, श्वेता शिंदे, संगम पांडेय, निकिता जैन, सुनीता, विजय सिंह उपेरकर, अमोल पाटील, गौरव मैडम, शशिकांत पांडेय और मनीष चौहान सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान नागरिकों को बारिश से बचाव के लिए छतरियां वितरित की गईं। इस पहल की उपस्थित नागरिकों ने सराहना की।

हिंदुजा अस्पताल की अपॉइंटमेंट के नाम पर 63 वर्षीय इंजीनियर से 2.56 लाख की साइबर ठगी

मुंबई। मुंबई के सांताक्रूज पश्चिम निवासी 63 वर्षीय इंजीनियर गिरिजा प्रसाद कनौजिया से हिंदुजा अस्पताल में ऑनलाइन अपॉइंटमेंट दिलाने के बहाने साइबर ठगों ने 2,56,974 की ठगी कर ली। मामले में पुलिस ने साइबर अपराध के तहत एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शिकायत के अनुसार, 2 जून को इंजीनियर हिंदुजा अस्पताल की अपॉइंटमेंट के लिए इंटरनेट पर संपर्क नंबर खोज रहे थे। उन्हें एक मोबाइल नंबर मिला, जिस पर उन्होंने कॉल किया, लेकिन किसी ने फोन नहीं उठाया। कुछ समय बाद उन्हें दूसरे मोबाइल नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने स्वयं को अस्पताल से जुड़ा प्रतिनिधि बताते हुए अपॉइंटमेंट बुक कराने का भरोसा दिलाया।

बैंक ऑफ बडौदा की सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

इसके बाद पीड़ित को एक लिंक भेजा गया, जिस पर क्लिक कर उन्होंने अपनी व्यक्तिगत जानकारी भरी। अपॉइंटमेंट बुकिंग के लिए 5 का नाममात्र शुल्क ऑनलाइन जमा करने के लिए भी कहा गया। भुगतान के दो प्रयास असफल रहे, लेकिन इसी प्रक्रिया के दौरान ठगों ने कथित रूप से उनके मोबाइल और बैंकिंग जानकारी तक पहुंच बना ली।

ठगों ने पीड़ित के बैंक ऑफ बड़ौदा खाते से जुड़ी यूपीआई सेवा को अपने डिवाइस पर सक्रिय कर लिया। लगभग तीन दिन बाद, 5 जून को मात्र 45 मिनट के भीतर खाते से अलग-अलग ऑनलाइन यूपीआई लेनदेन के जरिए कुल 2,56,974 निकाल लिए गए। इनमें पहली ही यूपीआई ट्रांजैक्शन 1,17,000 की थी, जबकि बाद में कई अन्य लेनदेन कर पूरी राशि निकाल ली गई। बैंक के एसएमएस मिलने पर पीड़ित को ठगी का पता चला।पीड़ित का कहना है कि सामान्य तौर पर यूपीआई लेनदेन की एक सीमा निर्धारित होती है, ऐसे में एक ही बार में 1.17 लाख तथा उसके बाद कम समय में कुल 2.56 लाख की निकासी कैसे संभव हुई। उन्होंने बैंक ऑफ बड़ौदा से यह स्पष्ट करने की मांग की है कि नया यूपीआई डिवाइस किस प्रक्रिया के तहत पंजीकृत हुआ, इतनी बड़ी और लगातार हुई संदिग्ध ट्रांजैक्शनों पर बैंक की सुरक्षा प्रणाली ने कोई चेतावनी या रोक क्यों नहीं लगाई, तथा इस मामले में बैंक अपनी क्या जिम्मेदारी मानता है। पीड़ित का आरोप है कि बैंक ने अब तक इस संबंध में कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया है और अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया है। उनका कहना है कि साइबर अपराध के बढ़ते मामलों को देखते हुए बैंकों को अपनी सुरक्षा प्रणाली और निगरानी व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाना चाहिए ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं को रोका जा सके। मामले में पुलिस बैंक खातों, यूपीआई आईडी, मोबाइल नंबर और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की जांच कर आरोपियों की तलाश में जुटी है।

यदुवंशी समाज सेवा संस्था द्वारा डोंबीवली में मेधावी छात्रों का किया गया भव्य सम्मान

डोंबीवली (उत्तरशक्ति)। डोंबीवली के ताई पिंजडे चौक स्थित सर्वेश सांस्कृतिक हाल में यदुवंशी समाज सेवा संस्था द्वारा मेधावी छात्रों के सम्मान समारोह के अवसर पर विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुये सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत कर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया । बतादें कि इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा मातृ पितृ पूजन किया गया। वहीं सनातन सामाजिक संस्था द्वारा प्राथमिक के विद्यार्थियों को नोटबुक वितरण किया गया । यदुवंशी समाज सेवा संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष शशिकांत बलीराम यादव, राष्ट्रीय महासचिव सभाजीत यदुवंशी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष विवेक यादव, राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष जयसरोज यादव, राष्ट्रीय सचिव व शिक्षा समिति अध्यक्ष सभाजीत सांचू यादव, राष्ट्रीय सचिव आचार्य सूरजपाल यादव, राष्ट्रीय सचिव दीनानाथ यादव, ए एम न्यूज व यदु यादव कोश पत्रिका के संपादक एस एन यादव, सपा लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष केशव यादव, अरविंद वासुदेव यादव, चंद्रजीत यादव, एम बी यादव, रमेशचन्द्र यादव, रामप्रसाद कनौजिया, लेखिका लक्ष्मी यादव, मालती जामवंत यादव, मोतीलाल यादव, शिवसागर यादव, सुभाष यादव, चौधरी गयाप्रसाद यादव, डा. संजय यादव, भरत यादव, के के यादव, बंशीनारायन यादव, राम आसरे यादव, रणविजय यादव, पारसनाथ यादव आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामकिशोर यादव ने किया वहीं सूत्रसंचालन रमेशचंद्र यादव ने किया ।

कोरोना में जनसेवा से प्रसिद्धि पाने वाली डॉ यास्मीन के केयर क्लिनिक का भव्य उद्घाटन समारोह

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। कोरोना काल में प्रैग्नेंसी के बावजूद जान हथेली पर रख कर नागरिकों की दिन रात सेवा कर मशहूर डॉ यास्मीन अंसारी का भिवंडी के नायगांव स्थित अल सलीम अपार्टमेंट में शनिवार, 18 जुलाई 2026 को डॉ. यासमीन शारिफ अंसारी द्वारा स्थापित यासमीन केयर क्लिनिक का भव्य उद्घाटन समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। शाम 6 बजे से देर रात तक चले इस समारोह में शहर के सामाजिक, राजनीतिक, शैक्षणिक, चिकित्सा, धार्मिक एवं पत्रकारिता जगत की अनेक प्रतिष्ठित हस्तियों ने भाग लेकर डॉ. यासमीन शारिफ अंसारी को शुभकामनाएं दीं तथा क्लिनिक के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। क्लिनिक का उद्घाटन भिवंडी पूर्व क्षेत्र से सपा विधायक रईस कसम शेख के कर कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के अध्यक्ष शोएब गुड्डू, समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अनस अंसारी, कांग्रेस पार्टी शहर जिला अध्यक्ष आबिद मुन्सफ, पूर्व उपमहापौर इमरान वली मोहम्मद खान, जमीयत उलेमा महाराष्ट्र के आयोजक मुफ्ती सैय्यद हुजैफा कासमी साहब, उर्दू टाइम्स के संपादक फारूक अंसारी, पीटीआई एवं टाइम्स ऑफ इंडिया के पत्रकार इम्तियाज शेख, वरिष्ठ कांग्रेस नेता तारिक फारूकी, पूर्व उपमहापौर डॉ. नूर अंसारी, उलेमा बोर्ड के महासचिव डॉ. कादिर सय्यद, एनसीपी महिला विंग की अध्यक्ष श्रीमती सावती कांबले,कांग्रेस नगरसेवक साजू सिद्दीकी, जावेद अंसारी, पूर्व नगरसेवक महबूबुर रहमान अंसारी (बबलू भाई) तथा अनस अंसारी (भाई जान ढाबा), इकबाल अहमद सिद्दीकी उप प्रभारी, असम कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से कृष्णगोपाल सिंह उत्तर भारतीय सेवा समाज अध्यक्ष, वरिष्ठ पत्रकार नसीम अंसारी, महाराष्ट्र पत्रकार संघ अध्यक्ष अब्दुलगनी खान, उत्तरभारतीय सेवा समिति अध्यक्ष, पत्रकार जितेंद्र तिवारी , उर्दू पत्रकार अयाज मोमिन, एड अब्दुल बाकी अंसारी, पत्रकार महेंद्र सरोज गुड्डू , मौलाना इम्तियाज फलाही और इम्पा लेडीज विंग की अध्यक्ष डॉ. इशरत नसीरुद्दीन मोमिन का डॉ. यास्मीन शारिफ अंसारी ने पुष्पगुच्छ भेंट कर गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके अलावा डॉ. रिजवान खान, अब्दुल जब्बार, तथा प्रसिद्ध शिक्षाविद एवं पुरस्कार प्राप्त डॉ. मोहम्मद मुकीम जामई सहित अनेक विशिष्ट अतिथियों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। वक्ताओं ने कहा कि कोरोना जैसी महामारी में सेवा देकर मरीजों का दिल जीतने वाली यास्मीन केयर क्लिनिक महिलाओं एवं बच्चों के लिए आधुनिक, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने डॉ. यास्मीन शारिफ अंसारी की चिकित्सा सेवा, सामाजिक समर्पण एवं जनसेवा के संकल्प की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। भीड़ भरे इस कार्यक्रम का संचालन सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुआ तथा अतिथियों के लिए विशेष आतिथ्य की व्यवस्था की गई थी। अंत में क्लिनिक की संस्थापक डॉ. यास्मीन शारिफ अंसारी एवं पत्रकार शारिफ अंसारी ने सभी अतिथियों एवं शुभचिंतकों का आभार व्यक्त किया। उपस्थित सभी लोगों ने क्लिनिक के सफल शुभारंभ पर शुभकामनाएं देते हुए जनसेवा के इस नए प्रयास की सफलता की कामना की।

सोनम वांगचुंग के समर्थन में भिवंडी में युवाओं का प्रदर्शन, मूसलाधार बारिश में भी सड़कों पर उतरे लोग

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। दिल्ली में पर्यावरणविद् एवं वैज्ञानिक सोनम वांगचुंग द्वारा NEET परीक्षा पेपर लीक प्रकरण को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर शुरू किए गए आंदोलन के समर्थन में सोमवार को भिवंडी में भी विभिन्न स्थानों पर विरोध प्रदर्शन किए गए। मूसलाधार बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में युवक-युवतियां सड़कों पर उतर आए और केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर युवाओं ने किसी भी राजनीतिक दल के समर्थन के बिना हाथों में तख्तियां लेकर शिक्षा व्यवस्था में कथित अनियमितताओं के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन में शामिल आर्यन गोसावी ने कहा कि युवा केवल शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग को लेकर एकजुट हुए हैं। इधर, आरपीआई (सेक्युलर) की ओर से उपविभागीय अधिकारी कार्यालय के सामने धरना-प्रदर्शन किया गया। वहीं, अधिवक्ता अमोल कांबळे के नेतृत्व में भिवंडी न्यायालय के युवा वकीलों के प्रतिनिधिमंडल ने उपविभागीय अधिकारी अमित सानप को ज्ञापन सौंपकर अपनी नाराजगी व्यक्त की। शाम को कांग्रेस के जिला महासचिव पंकज गायकवाड़ के नेतृत्व में काप आली स्थित भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा समक्ष भी प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आंदोलनकारियों की मांगों का समर्थन किया।

दंगल टीवी के लोकप्रिय धारावाहिक इश्क जुनूनी के कलाकारों से पत्रकार चंदन महाकाल की भव्य मुलाकात

मुंबई (उत्तरशक्ति)। दंगल टीवी के चर्चित धारावाहिक इश्क जुनूनी के सेट पर पत्रकार चंदन महाकाल की मुख्य कलाकार अभिषेक सिंह पठानिया एवं अंजलि शर्मा तथा भोजपुरी अभिनेता जितेंद्र झा से आत्मीय और यादगार मुलाकात हुई।

इस अवसर पर सभी ने एक-दूसरे का गर्मजोशी से स्वागत किया और कला, मनोरंजन जगत तथा आगामी परियोजनाओं को लेकर सौहार्दपूर्ण चर्चा की। मुलाकात के दौरान कलाकारों ने दर्शकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके निरंतर प्रेम और समर्थन के लिए धन्यवाद दिया।

इस विशेष मुलाकात के दौरान सेट का माहौल बेहद उत्साहपूर्ण और खुशनुमा रहा। कलाकारों और पत्रकार चंदन महाकाल के बीच हुई यह भेंट यादगार पलों में बदल गई।

आम सूचना

मैं सोनी गुरजीत अरोरा पति गुरजीत अरोरा आमजन को सूचित करती हूं कि मैं और मेरा पूरा परिवार सुपुत्री ईशा अरोरा से अपने समस्त संबंध एवं चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। अब वह किसी प्रकार का लिखा-पढ़ी, लेन-देन अथवा अन्य किसी प्रकार का व्यवहार करती है तो वह खुद जिम्मेदार होगी। उससे मेरा और मेरे परिवार का किसी प्रकार की जिम्मेदारी नहीं होगी।

प्रार्थिनी- सोनी गुरजीत अरोरा पति गुरजीत अरोरा

मो.-7757036212

पता- एफ-1503, विनय यूनिक गार्डन, विपरीत. संकट मोचन हनुमान मंदिर, चिखल डोंगरे रोड, ग्लोबल सिटी, विरार (पश्चिम), वसई विरार नगर निगम, पीओः विरार, जिलाः पालघर, राज्यः महाराष्ट्र, पिन कोडः 401303

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

निवा बूपा बना कॉमनवेल्थ गेम्स का हेल्थ इंश्योरेंस प्रिंसिपल पार्टनर

मुंबई। निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस ने आज ग्लासगो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के ऑफिशियल हेल्थ इंश्योरेंस प्रिंसिपल पार्टनर बनने की घोषणा की। इस साझेदारी के साथ ही कंपनी ने अपना ब्रांड अभियान - सेटबैक से कमबैक तक शुरू किया, जो ऐसे व्यक्तियों की दृढ़ता का उत्सव मनाता है, जिन्होंने स्वास्थ्य संबंधी बाधाओं को पार कर दमदार वापसी की है। यह अभियान दृढ़ता, स्वास्थ्य सुधार और समग्र देखभाल के प्रति निवा बूपा के समर्पण का प्रतीक है।

यह नया अभियान भारत के दो सबसे खास खिलाड़ियों को साथ लाता है - ओलंपिक मैडलिस्ट, पूर्व विश्व नंबर एक बैडमिंटन खिलाड़ी, दो बार कॉमनवेल्थ गेम्स की गोल्ड मैडलिस्ट - साइना नेहवाल, और ओलिंपिक मैडलिस्ट, वर्ल्ड चैंपियन और कॉमनवेल्थ गेम्स की गोल्ड मैडलिस्ट मीराबाई चानू। दोनों की निजी यात्राओं के माध्यम से यह अभियान यह संदेश देना चाहता है कि अचानक लगने वाले झटके विजेताओं को चुनौती दे सकते हैं, लेकिन कभी उन्हें परिभाषित नहीं कर सकते। यही वो जज्बा है जिसे निवा बूपा लाखों लोगों में रोज देखता है। पिछले 5 वित्तीय वर्षों में 37 लाख दावों के माध्यम से ग्राहकों को 14 हजार करोड़ रुपए की सहायता प्रदान करके, कंपनी ने लाखों भारतीयों का उस वक्त साथ दिया है, जब वे किसी बड़ी स्वास्थ्य संबंधी घटना से गुजरते हैं, और फिर से सामान्य जीवन की ओर लौटने की उनकी यात्रा में साथ खड़ा रहा है। निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस के डिजिटल बिजनेस यूनिट के डायरेक्टर और चीफ मार्केटिंग ऑफिसर निमिष अग्रवाल ने कहा कि, ग्लासगो 2026 के ऑफिशियल हेल्थ इंश्योरेंस प्रिंसिपल पार्टनर के रूप में यह साझेदारी निवा बूपा की मूल भावना को दशार्ती है - स्वास्थ्य संबंधी झटके के बाद दमदार वापसी करने का आत्मविश्वासः ज़िंदगी को क्लेम कर ले। ग्लासगो में भाग ले रहे प्रत्येक खिलाड़ी ने किसी न किसी चुनौती या बाधा को पार किया है। चाहे वह चोट हो, हार हो या आत्मसंदेह का दौर। मैडल तो आखिरी पड़ाव है, असली कहानी होती है सेटबैक की, रिकवरी की और दमदार वापसी करने के संकल्प की। हम इसी जज्बे को सलाम करते हैं। हर दिन हम अपने ग्राहकों के जीवन में वही दृढ़ता देखते हैं, जब वे बड़ी सर्जरी, दुर्घटनाओं और गंभीर बीमारियों पर विजय पाकर अपने सबसे खास लोगों और अनमोल पलों के बीच फिर से लौटते हैं।

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

मामूली विवाद के बाद युवक की कथित तौर पर चारा काटने वाली मशीन से बांधकर पिटाई

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले में इंसानियत को शर्मसार कर देने वाली वारदात सामने आई है। मामूली विवाद ने ऐसा हिंसक रूप ले लिया कि एक 26 वर्षीय युवक की कथित तौर पर चारा काटने वाली मशीन से बांधकर बेरहमी से पिटाई कर दी गई। गंभीर रूप से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद गांव में दहशत और मातम का माहौल है, जबकि पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है।

चारा काटने वाली मशीन से बांधकर पीटा: मड़ियाहूं तहसील क्षेत्र के राजापुर गांव निवासी 26 वर्षीय दिनेश तिवारी उर्फ मोनू का पड़ोसी महावीर तिवारी से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। देखते ही देखते कहासुनी मारपीट में बदल गई। मृतक के परिजनों का आरोप है कि आरोपियों ने दिनेश को अपने दरवाजे पर लगी चारा काटने वाली मशीन से बांधकर लाठियों से जमकर पीटा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

इलाज के दौरान मौत

पुलिस के आने बाद भी युवक के साथ अभद्रता: परिजनों का यह भी आरोप है कि पुलिस के मौके पर पहुंचने के बाद भी आरोपी युवक के साथ अभद्रता करते रहे। बाद में घायल दिनेश को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के समय मृतक की पत्नी अपने मायके गई हुई थी।

तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज: दिनेश तीन भाइयों में सबसे छोटा था और अपने पीछे पत्नी तथा करीब डेढ़ वर्ष की मासूम बेटी को छोड़ गया है। युवक की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। क्षेत्राधिकारी विजय चौधरी ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है।

शिक्षा और पेपर लीक के मुद्दे पर सामाजिक कार्यकताओं का एक दिवसीय उपवास

जौनपुर में गूंजा 'संसद चलो आंदोलन'

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लद्दाख के शिक्षाविद् एवं सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के आह्वान पर प्रस्तावित 'संसद चलो आंदोलन' के समर्थन में सोमवार को जौनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में सामाजिक कार्यकर्ताओं, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों और अधिवक्ताओं ने शिक्षा, पेपर लीक और जनहित के मुद्दों को लेकर एक दिवसीय उपवास एवं प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों ने शिक्षा व्यवस्था में सुधार, पेपर लीक की घटनाओं पर रोक तथा युवाओं के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर सरकार का ध्यान आकर्षित करने की मांग की। इस दौरान केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ भी विरोध दर्ज कराया गया।

कार्यक्रम में 'मेरा गांव मेरी जिम्मेदारी' के संस्थापक प्रदीप मिश्रा, कॉमरेड जय प्रकाश सिंह, वरिष्ठ सपा नेता रत्नाकर चौबे, आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष रामरतन विश्वकर्मा, जिला उपाध्यक्ष विजय सिंह बागी, जिला महासचिव विनोद प्रजापति, व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष हिंच नारायण तिवारी, अखिल भारतीय हिंदू सेवा दल के प्रदेश संगठन मंत्री एवं समाजसेवी अतुल कुमार तिवारी, सपा जिला सचिव दीपक आर. विश्वकर्मा, जिला उपाध्यक्ष धीरज विश्वकर्मा, राष्ट्रीय महासचिव समाजवादी महासभा अमित यादव, कांग्रेस नेता शाहनवाज मंजूर, एडवोकेट नीरज विश्वकर्मा, कांग्रेस नगर अध्यक्ष मो. ताहेब, मो. तारीख हुसैन, त्रिलोकीनाथ मिश्र, साहबराज यादव, लालमन सहित बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता और अधिवक्ता मौजूद रहे।

सभा को संबोधित करते हुए प्रदीप मिश्रा ने कहा कि शिक्षा और रोजगार आज देश के सबसे बड़े मुद्दे हैं, इसलिए सरकार को युवाओं की आवाज सुनते हुए शिक्षा व्यवस्था में सुधार करना चाहिए।

आम आदमी पार्टी के पूर्वांचल प्रांत प्रभारी डॉ. अनुराग मिश्रा ने कहा कि शिक्षा नीति पर व्यापक चर्चा की आवश्यकता है और सोनम वांगचुक का आंदोलन जनभावनाओं का प्रतीक है। कॉमरेड जय प्रकाश सिंह ने कहा कि शिक्षा को व्यवसाय नहीं बनने दिया जाएगा और गरीब से गरीब बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलनी चाहिए। वरिष्ठ सपा नेता रत्नाकर चौबे ने सरकार से शिक्षा नीति पर पुनर्विचार करने की मांग करते हुए कहा कि छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ स्वीकार नहीं किया जाएगा।

व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष हिंच नारायण तिवारी ने शिक्षा की बढ़ती फीस पर चिंता जताई, जबकि समाजसेवी अतुल कुमार तिवारी ने कहा कि छात्र हित और राष्ट्रहित सर्वोपरि हैं तथा शिक्षा को राजनीति से ऊपर रखा जाना चाहिए।

आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष रामरतन विश्वकर्मा ने कहा कि लोकतंत्र में जनता की आवाज को दबाया नहीं जा सकता और 'संसद चलो आंदोलन' जनभावनाओं की अभिव्यक्ति है।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सामाजिक कार्यकर्ताओं, अधिवक्ताओं और गणमान्य नागरिकों ने आंदोलन के प्रति अपना समर्थन व्यक्त करते हुए शिक्षा व्यवस्था में सुधार और युवाओं के हितों की रक्षा की मांग दोहराई।

पिकनिक के दौरान जलप्रपात में डूबे दूसरे युवक का 18 घंटे बाद मिला शव

मिर्जापुर (उत्तरशक्ति)। अहरौरा स्थित सुखदरिया जलप्रपात पर पिकनिक के दौरान डूबे युवक अजय कश्यप उर्फ रिंकू का शव घटना के करीब 18 घंटे बाद सोमवार सुबह एसडीआरएफ की टीम ने बरामद किया। इससे पहले उसके साथी विकास झा का शव रविवार शाम को ही मिल गया था। हादसे के बाद दोनों परिवारों में कोहराम मचा है। अजय की शादी महज नौ दिन पहले हुई थी और उसकी पत्नी के हाथों की मेंहदी भी नहीं छूटी थी कि यह हादसा हो गया।

जानकारी के अनुसार, वाराणसी के रामनगर तपोवन निवासी विकास झा (36) और अजय कश्यप उर्फ रिंकू (32) अपने सात-आठ दोस्तों के साथ रविवार दोपहर सुखदरिया जलप्रपात पर पिकनिक मनाने पहुंचे थे। परिजनों के अनुसार, अजय की शादी 11 जुलाई को हुई थी। शादी के बाद उसने दोस्तों को पार्टी देने के लिए इस स्थल पर आने की योजना बनाई थी। शाम करीब पांच बजे सभी दोस्त जलप्रपात में स्नान कर रहे थे। इसी दौरान अजय और विकास गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। साथियों ने दोनों को बचाने का प्रयास किया, लेकिन तेज बहाव और गहराई के कारण सफल नहीं हो सके। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर अहरौरा पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय गोताखोरों की मदद से तलाश शुरू कराई। करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद विकास झा का शव बरामद कर लिया गया, लेकिन अजय का कोई पता नहीं चला। इसके बाद एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया। सोमवार सुबह एसडीआरएफ ने दोबारा सर्च अभियान शुरू किया और करीब 18 घंटे बाद 11 बजे अजय का शव बरामद कर लिया। शव बाहर निकलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पूरे क्षेत्र में घटना को लेकर शोक की लहर दौड़ गई। अहरौरा थाना प्रभारी अजय मिश्रा ने बताया कि एसडीआरएफ की टीम ने अजय का शव बरामद कर लिया है। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

घरेलू विवाद में दंपत्ति ने खाया जहर, पत्नी की मौत–पति गंभीर

चंदौली (उत्तरशक्ति)। मुगलसराय कोतवाली क्षेत्र के सराय छोटू गांव में घरेलू विवाद के बाद पति-पत्नी द्वारा कथित रूप से विषाक्त पदार्थ खाने का मामला सामने आया है। इलाज के दौरान पत्नी की मौत हो गई, जबकि पति की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, सराय छोटू गांव निवासी अजय यादव (26) रोजगार के सिलसिले में मुंबई में रहते हैं। वह करीब 20 दिन पहले मुंबई गए थे और दो दिन पहले ही घर लौटे थे। सोमवार को किसी बात को लेकर उनकी पत्नी सपना (23) से विवाद हो गया। परिजनों के अनुसार, विवाद के बाद दोनों ने कथित रूप से विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। कुछ देर बाद दोनों की तबीयत बिगड़ने लगी। परिजन उन्हें तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उपचार शुरू किया। इलाज के दौरान सपना की हालत लगातार बिगड़ती गई और डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं अजय यादव की हालत नाजुक बनी हुई है। उनका अस्पताल में चिकित्सकों की निगरानी में इलाज चल रहा है।

घटना की सूचना मिलते ही मुगलसराय कोतवाली पुलिस अस्पताल और गांव पहुंची। पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और परिजनों से पूछताछ शुरू की। घटनास्थल से भी आवश्यक साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्रारंभिक जांच में मामला घरेलू विवाद से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। हालांकि, घटना के सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, फोरेंसिक साक्ष्यों और परिजनों के बयान के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है। गांव में भी इस घटना को लेकर शोक का माहौल है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही घटना के वास्तविक कारणों और परिस्थितियों के बारे में स्पष्ट रूप से कुछ कहा जा सकेगा।

शिवपुर में जमीन विवाद को लेकर वकीलों के दो गुटों में पथराव और फायरिंग, एक घायल

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। शहर के शिवपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले लोढान गांव में रविवार को एक जमीन विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। फंटासिया वॉटर पार्क के पास स्थित एक प्लॉट पर निर्माण कार्य को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर ईंट-पत्थर चले और फायरिंग हुई। चौंकाने वाली बात यह है कि इस घटना में शामिल दोनों ही पक्ष पेशे से अधिवक्ता (वकील) बताए जा रहे हैं। इस हिंसक झड़प में एक व्यक्ति घायल हुआ है जिसे पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया है।

लोढान गांव में फंटासिया वॉटर पार्क के पास निर्माण कार्य रोकने पर हंगामा, मौके से कारतूस के खोखे बरामद

निर्माण कार्य को लेकर शुरू हुआ विवाद प्राप्त जानकारी के अनुसार, रविवार को गिरजा शंकर उपाध्याय के पुत्र अतुल उपाध्याय अपने समर्थकों के साथ लोढान गांव (फंटासिया वॉटर पार्क के पास) स्थित एक विवादित जमीन पर निर्माण कार्य शुरू कराने पहुंचे थे। इसी दौरान दूसरे पक्ष के अजीत उपाध्याय के पुत्र सौरभ उपाध्याय ने वहां पहुंचकर इस निर्माण कार्य का कड़ा विरोध किया।

विरोध के बाद पथराव और फिर चली गोलियां: मौके पर निर्माण कार्य रोकने को लेकर दोनों पक्षों में तीखी नोकझोंक शुरू हो गई। विवाद इतना बढ़ गया कि प्रथम पक्ष (अतुल उपाध्याय गुट) की ओर से ईंट-पत्थर चलाए जाने लगे। पथराव के बीच माहौल तब और ज्यादा तनावपूर्ण हो गया जब दूसरे पक्ष के सौरभ उपाध्याय ने कथित तौर पर फायरिंग शुरू कर दी। गोलीबारी करने के बाद सौरभ उपाध्याय मौके से फरार हो गया। एक व्यक्ति घायल, पुलिस ने बरामद किए खोखे इस हिंसक झड़प और पथराव में रविकांत उपाध्याय नामक व्यक्ति के हाथ में गंभीर चोट आई है। घटना की सूचना मिलते ही शिवपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घायल रविकांत को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल भेज दिया है। घटनास्थल की जांच के दौरान पुलिस को वहां से चली हुई गोलियों के खोखे भी बरामद हुए हैं, जो फायरिंग की घटना की पुष्टि करते हैं।

धर्मापुर में सेहत का संकल्प: 250 से अधिक लोगों ने उठाया नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ

प्रियेश गुप्ता रुद्र

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्वास्थ्य सेवाओं को आमजन तक पहुंचाने

की दिशा में लायंस क्लब क्षितिज जौनपुर ने रविवार को धमार्पुर बाजार के सरैया मोड़ के निकट नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया। शिविर में 250 से अधिक लोगों ने ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर और सामान्य स्वास्थ्य जांच कराकर विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श प्राप्त किया।

शिविर का संचालन लायंस क्लब क्षितिज जौनपुर के संस्थापक अध्यक्ष शशांक सिंह राणू के नेतृत्व में हुआ। उन्होंने कहा कि समाज सेवा ही क्लब का मूल उद्देश्य है और भविष्य में भी ग्रामीण व कस्बाई क्षेत्रों में ऐसे जनहितकारी स्वास्थ्य शिविर लगातार आयोजित किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक लोगों को समय पर स्वास्थ्य जांच और परामर्श मिल सके। क्लब अध्यक्ष कौशल त्रिपाठी ने बताया कि संस्था स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है। आने वाले समय में जिले के विभिन्न क्षेत्रों में भी नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएंगे।

कार्यक्रम के दौरान क्लब के सचिव हाफिज शाह ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया। वहीं क्लब के कोषाध्यक्ष एवं विद्या स्किन क्लिनिक के चिकित्सक डॉ. चंदन नाथ गुप्ता ने अपनी चिकित्सा सेवाएं देते हुए लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया और आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श भी प्रदान किया।

शिविर में पहुंचे लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ शुरूआती अवस्था में बीमारियों की पहचान में भी मददगार साबित होते हैं।

लायंस क्लब क्षितिज जौनपुर ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि समाज के प्रति जिम्मेदारी केवल शब्दों से नहीं, बल्कि सेवा कार्यों से निभाई जाती है। संस्था ने भविष्य में भी ऐसे जनकल्याणकारी अभियानों को निरंतर जारी रखने का संकल्प दोहराया।

जिला पंचायत सदस्य एवं निर्माण समिति के अध्यक्ष के प्रयासों से गौरीशईत मजार पर निर्माण कार्य प्रगति पर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के विकासखंड बक्सा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ऐतिहासिक नौपेडवा बाजार के निकट स्थित प्रसिद्ध गौरीशईत बाबा के मजार पर इन दिनों विकास और सुंदरीकरण का कार्य तेजी से चल रहा है। स्थानीय लोगों की आस्था के प्रमुख केंद्र इस मजार परिसर में बुनियादी सुविधाओं को बढ़ाने और इसके स्वरूप को नया रूप देने के लिए निर्माण कार्य कराया जा रहा है।

यह महत्वपूर्ण निर्माण कार्य जिला पंचायत सदस्य एवं निर्माण समिति के अध्यक्ष महेंद्र कुमार यादव के विशेष प्रयासों और सौजन्य से कराया जा रहा है। मजार परिसर में चल रहे इस विकास कार्य से क्षेत्रीय नागरिकों और श्रद्धालुओं में काफी हर्ष का माहौल है। परिसर में कराए जा रहे हैं प्रमुख कार्य मजार परिसर में आने वाले श्रद्धालुओं की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण बदलाव किए जा रहे हैं। सुरक्षा एवं बाउंड्री वॉल परिसर की सुरक्षा को पुख्ता करने के लिए चारों तरफ मजबूत चहारदीवारी (बाउंड्री वॉल) का निर्माण कराया गया है।

शेड और रेलिंग: मुख्य मजार स्थल के ऊपर पक्के शेड के साथ-साथ चारों ओर आकर्षक हरी रंग की लोहे की रेलिंग और सुरक्षा गेट लगाए गए हैं, जिससे परिसर का स्वरूप बेहद व्यवस्थित नजर आ रहा है।

इंटरलॉकिंग और फर्शमजार परिसर के भीतर और आसपास के रास्तों पर इंटरलॉकिंग ईंटें बिछाई जा रही हैं ताकि बरसात या अन्य मौसम में श्रद्धालुओं को कीचड़ और गंदगी का सामना न करना पड़े।

पेयजल की व्यवस्था: मजार पर आने वाले लोगों के लिए पानी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु परिसर में नया हैंडपंप भी लगाया गया है।

वाराणसी में 64 मिमी वर्षा दर्ज, आज-कल भारी बारिश का अलर्ट जारी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। वाराणसी में मानसूनी बारिश ने गर्मी और उमस से राहत दिलाने के साथ किसानों की उम्मीदों को भी बल दिया है। शुक्रवार देर शाम से शुरू हुई बारिश शनिवार भोर तक रुक-रुक कर होती रही। इसके बाद पूरे दिन झींसी और ठंडी हवाओं का दौर बना रहा। मौसम विभाग ने 19 और 20 जुलाई को भारी वर्षा का अलर्ट जारी किया है, जबकि 24 जुलाई तक बादलों के बने रहने और बीच-बीच में हल्की से तेज बारिश की संभावना जताई है। शुक्रवार रात 12 बजे से एक बजे तक तथा फिर दो बजे से लगभग साढ़े तीन बजे तक अच्छी बारिश हुई। बीएचयू के मौसम कार्यालय के अनुसार इस दौरान 64 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। आसपास के जिलों में भी बारिश होने से वातावरण में नमी बढ़ी और उमस पूरी तरह गायब हो गई। इसके चलते अधिकतम और न्यूनतम तापमान में करीब दो डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। बारिश का सबसे अधिक लाभ किसानों को मिला है। धान की बुवाई में तेजी आई है और खेतों में पर्याप्त नमी पहुंची है। किसानों का कहना है कि यदि अगले दो-तीन दिनों तक अच्छी बारिश होती रही तो धान की बुवाई का कार्य सुचारु रूप से पूरा हो सकेगा। शनिवार को अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

अपील: भारी बारिश के दौरान जलभराव वाले क्षेत्रों से बचें और मौसम विभाग की चेतावनियों पर नजर रखें। आपात स्थिति में 112 पर संपर्क करें।

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री आवास योजना से बदली जौनपुर के गरीब परिवारों की तस्वीर

पक्के घर ने दी नई उम्मीद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) एवं मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) जनपद जौनपुर के आर्थिक रूप से कमजोर और आवासहीन परिवारों के लिए नई उम्मीद बनकर सामने आई है। इन योजनाओं के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को पक्के, सुरक्षित और सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे उनके जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। जिला सूचना कार्यालय द्वारा जारी सफलता की कहानी के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2022-23 में विकास खंड बक्शा की ग्राम पंचायत बक्शा के राजेन्द्र प्रसाद शुक्ला को प्रधानमंत्री आवास योजना

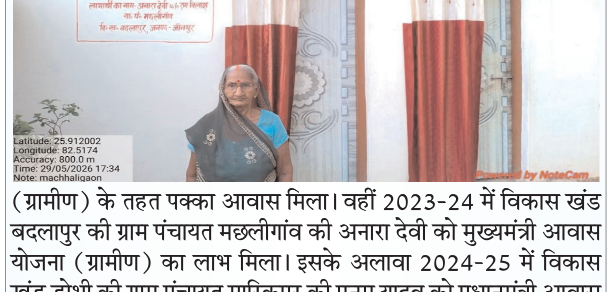

(ग्रामीण) के तहत पक्का आवास मिला। वहीं 2023-24 में विकास खंड बदलापुर की ग्राम पंचायत मछलीगांव की अनारा देवी को मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) का लाभ मिला। इसके अलावा 2024-25 में विकास खंड डोभी की ग्राम पंचायत मारिकपुर की पूनम यादव को प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत आवास स्वीकृत हुआ। बताया गया कि तीनों लाभार्थी पहले कच्चे और जर्जर मकानों में रहने को मजबूर थे। बारिश में मकानों से पानी टपकता था, जबकि गर्मी और सर्दी के मौसम में भी उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। परिवार की सुरक्षा को लेकर भी हमेशा चिंता बनी रहती थी। योजना के तहत पक्का मकान मिलने के बाद अब ये परिवार सुरक्षित, स्वच्छ और सम्मानजनक वातावरण में जीवन यापन कर रहे हैं। बच्चों को पढ़ाई के लिए बेहतर माहौल मिला है तथा परिवार के सदस्यों में आत्मविश्वास और सामाजिक सम्मान की भावना भी बढ़ी है। लाभार्थियों ने प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के लिए भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस योजना ने उनके अपने घर का सपना साकार किया है और उनका जीवन पहले की तुलना में अधिक सुरक्षित एवं सुविधाजनक हो गया है। जिला प्रशासन के अनुसार, जनपद में प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के प्रभावी क्रियान्वयन से हजारों पात्र परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। यह योजना केवल पक्का आवास ही नहीं, बल्कि गरीब परिवारों को सुरक्षा, सम्मान और बेहतर भविष्य की नई उम्मीद भी प्रदान कर रही है।

फर्जी आयकर अधिकारी बनकर सर्राफा दुकान में लूट की कोशिश, होमगार्ड समेत चार गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। रामपुर थाना क्षेत्र के गोपालापुर बाजार स्थित एक सराफा दुकान पर आयकर विभाग का अधिकारी बनकर छापेमारी के बहाने लूट की कोशिश करने वाले गिरोह का पुलिस ने पदार्फाश करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार आरोपियों में एक होमगार्ड और एक यूपीएससी अभ्यर्थी भी शामिल है। पुलिस ने उनके कब्जे से फर्जी आयकर विभाग की आईडी, आधार कार्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, मोबाइल फोन तथा फर्जी नंबर प्लेट लगी बोलेरो वाहन बरामद किया है। गिरोह का एक सदस्य अभी फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) आतिश कुमार सिंह ने प्रेस वार्ता में बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत रामपुर थाना पुलिस ने यह कार्रवाई की। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रोशन तिवारी उर्फ चाहत तिवारी, अजय कुमार पटेल, दिलीप कुमार और राजेश कुमार उपाध्याय के रूप में हुई है। जांच में सामने आया कि रोशन तिवारी यूपीएससी परीक्षा की तैयारी कर रहा था, जबकि राजेश कुमार उपाध्याय सिकरारा थाने में होमगार्ड के पद पर तैनात है।

पुलिस के अनुसार, 19 जुलाई 2026 की शाम करीब 4:30 बजे आरोपी गोपालापुर बाजार स्थित सरार्फा व्यवसायी दिनेश चंद्र बरनवाल की दुकान पर पहुंचे। उन्होंने स्वयं को आयकर विभाग का अधिकारी बताते हुए जांच शुरू कर दी और दुकान में रखा सोना-चांदी अपने कब्जे में लेने का प्रयास किया। आरोप है कि विरोध करने पर उन्होंने मारपीट की तथा लाइसेंसी रिवॉल्वर लेकर भागने की भी कोशिश की।

घटना की सूचना मिलते ही रामपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और चारों आरोपियों को हिरासत में ले लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से दो फर्जी आयकर विभाग के पहचान पत्र, आधार कार्ड, पैन कार्ड, निर्वाचन पहचान पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस, मोबाइल फोन तथा किराये पर ली गई फर्जी नंबर प्लेट लगी बोलेरो बरामद हुई।

पुलिस ने बताया कि इस गिरोह का एक अन्य सदस्य जितेंद्र कुमार सिंह अभी फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है।

इस संबंध में रामपुर थाने में मुकदमा संख्या 145/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (इठर) की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर सभी गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय भेज दिया गया है। पुलिस आरोपियों के आपराधिक इतिहास की भी जांच कर रही है।

व्यापारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ होते हैं: गिरीश

किराना व्यापार संघ के जागरूकता शिविर में व्यापारियों की समस्याओं का हुआ समाधान

राज्यमंत्री गरीश चन्द्र यादव ने किया शिविर का उद्घाटन, खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने दूर कीं शंकायें

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर किराना व्यापार संघ और खाद्य सुरक्षा एवं औषधीय प्रशासन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन शहर के मध्य स्थित एक होटल में किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री गरीश चन्द्र यादव जी (खेल एवं युवा) उपिस्थत रहे कार्यक्रम की अध्यक्षता जौनपुर उद्योग व्यापार मण्डल के जिलाध्यक्ष दिनेश टंडन ने की, शिविर का मुख्य उद्देश्य व्यापारयों को विभागीय नियमों के प्रति जागरूक करना और उनकी व्यावहारिक समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण करना था मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन मे कहा कि व्यापारी समाज अर्थव्यवस्था की रीढ़ है सरकार व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है उन्होंने व्यापारियों से अपील की वे खाद्य सुरक्षा के मानकों का पूरी तरह पालन करें ताकि जनता को शुद्ध वस्तुएं मिल सकें और व्यापार में पारदर्शिता आए, विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद खाद्य सुरक्षा अधिकारी मनोज कुमार वर्मा ने व्यापारियों को लाइसेंशिसंग, रजिस्ट्रेशन और खाद्य सुरक्षा मानकों से जुड़े नियमों की विस्तृत जानकारी दी, शिविर के दौरान व्यापारयों ने विभाग से जुड़ी कई जटिल समस्याओं को उनके समक्ष रखा, जिसका उन्होंने मौके पर ही उचित समाधान किया, कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष दिनेश टंडन ने सभी व्यापारियों से मानकों का पालन करते हुए व्यापारिक समस्याओं को व्यापार मंडल तक सूचित करने का आह्वान किया,नगर अध्यक्ष राधेरमण जायसवाल ने अपने उद्बोधन में किराना व्यापार संघ के पूरी टीम की प्रशंसा करते हुए सभी व्यापारियों को एकजुट रहने का निवेदन किया,प्रदेश उपाध्यक्ष सोमेश्वर केसरवानी एवं पूर्व प्रदेश पदाधिकारी आशीष गुप्ता ह्यआशह्व ने संयुक्त रूप से शिविर आयोजित करने के पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविरों से व्यापारयों और प्रशासन के बीच की दूरी कम होती है किराना व्यापार संघ के अध्यक्ष विजय कुमार अग्रहरि ने सभी व्यापारियों का स्वागत किया,कार्यक्रम में संघ के महामंत्री आशीष कुमार गुप्ता,संरक्षक संजय केडिया,जिला संरक्षक राजदेव यादव, कोषाध्यक्ष गुलजारी लाल गुप्ता,प्रदेश युवा कोषाध्यक्ष,संतोष अग्रहरि,रामकुमार साहू, मुन्नालाल अग्रहरि, मनोज कुमार साहू, अनिल वर्मा,राजेन्दर मोदनवाल,बंटी मोदनवाल,शरद साहू, बृजेश जायसवाल, गुफरान भाई,यशवंत साहू,सिद्धनाथ शाह, मन्नू साहू,प्रवीन कुमार, अमित कुमार,गौरव मौर्य,अनुज सेठ,प्रियांशु जायसवाल,अंकित साहू, चन्दन जायसवाल, मनोज कुमार, प्रदीप साहू, रमापति केडिया, आनंद साहू,शिवम बरनवाल,संतोष जायसवाल,मनोज अग्रहरि,अभिमन्यु साहू, रामआसरे के साथ सैकड़ो की संख्या में सदस्य और पदाधिकारी उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन सुरेंद्र जायसवाल ने किया अतिथियों का आभार संघ के महामंत्री आशीष गुप्ता ने व्यक्त किया।

वाराणसी में बच्चियों की सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान, मानवाधिकार संरक्षण मिशन ने उठाई कड़ी कार्रवाई की मांग

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। मानवाधिकार संरक्षण मिशन के तत्वावधान में रविवार को वाराणसी के गोदौलिया चौराहे पर मासूम बच्चियों के साथ बढ़ रहे यौन अपराधों के खिलाफ जनजागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य लोगों को बाल सुरक्षा, महिला सम्मान और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम का नेतृत्व मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रौशन कुमार बरनवाल ने किया। उन्होंने कहा कि समाज में बढ़ती अपराध की घटनाएं चिंता का विषय हैं। लोगों को जागरूक कर बच्चियों को आत्मनिर्भर और सुरक्षित बनाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यदि जागरूकता के माध्यम से एक भी बच्ची को सुरक्षित किया जा सके, तो यह अभियान सार्थक होगा।

अभियान के दौरान वक्ताओं ने बालिकाओं की सुरक्षा, आत्मरक्षा प्रशिक्षण, अभिभावकों की जिम्मेदारी और अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कानूनी कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही लोगों से समाज में महिलाओं और बच्चियों के प्रति सम्मानजनक वातावरण बनाने की अपील की गई। इस अवसर पर ममता त्रिपाठी, संजय यादव, विनोद त्रिपाठी, नंदनी त्रिपाठी, उन्नति त्रिपाठी, राहुल प्रजापति, अब्दुल कादिर, गोविंद केसरी, मोहम्मद आकिब, आकाश शाह, अनिल गुप्ता, रानी जायसवाल, शाफिया रानी, वाहिद भाई, छोटे लाल चौरसिया, जैदी भाई, सुरैया बानो सहित बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने समाज में बच्चियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, जागरूकता बढ़ाने और कानून के प्रति विश्वास मजबूत करने का संकल्प लिया।

रामलीला उत्सव समिति वडाला के तरफ से पं. शेषमणि दुबे का शोक सभा का आयोजन संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई शहर मे उत्तर भारतीय समाज के स्तंभ पंडित शेषमणी दुबे का हम सबको छोड कर चले जाना बहुत ही दुःखद रहा । रामलीला उत्सव समिती वडाला ने शोकसभा का आयोजन कर उनके द्वारा किये गये कार्य को याद किया गया। पंडित शेषमणि दुबे वडाला आंटापहिल क्षेत्र के व्यवसायिक व सामाजिक क्षेत्र में एक विशिष्ट स्थान रखते थे। वे एक बहुत ही मिलनसार , उजार्वान व्यक्ति थे। उनके पुत्र सुभाष दुबे एडवोकेट, अखिलेश दुबे, समाजसेवी दिलीप दुबे व परिवार उनके बताये हुए रास्ते पर चलकर समाज , ग्रामवासी व परिवार को लेकर चलने की जो पंडित जी की आदत थी। उसे अपना कर उनके पुत्र उनका नाम अमर करें । यही शोक सभा में सभी लोगों ने अपने विचार व्यक्त किया। इस अवसर पर सभी लोगों ने श्रद्धांजली अर्पित कर दो मिनिट का मौन धारण किया इस कार्यक्रम को सफल बनाने में समाजसेवक व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राकेश पांडे , रमेश शुक्ला , जयप्रकाश तिवारी इन लोगों ने मेहनत कर शोक सभा को सफल बनाया और भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित किया। वहीं मां विंध्यवासिनी मंदिर ट्रस्टी भरत भाई शुक्ला ने भी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है।

आंख के बदले आंख': हूतियों का सऊदी अरब के खिलाफ समुद्री नाकेबंदी का ऐलान

यमन। यमन के हूती विद्रोहियों ने सना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुए हालिया हमले के जवाब में सऊदी अरब के खिलाफ समुद्री नाकेबंदी लागू करने की घोषणा की है। इस फैसले के बाद लाल सागर और आसपास के समुद्री क्षेत्रों में तनाव और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।हूती संगठन के सैन्य प्रवक्ता याह्या सारी ने सोमवार को जारी एक वीडियो संदेश में कहा कि यह नाकेबंदी तत्काल प्रभाव से लागू होगी। उन्होंने इसे ₹आंख के बदले आंख₹ की नीति के तहत उठाया गया कदम बताया।

हूतियों का यह ऐलान ऐसे समय आया है जब पिछले सप्ताह यमन में हूती विद्रोहियों और सऊदी अरब के नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन के बीच संघर्ष तेज हो गया था। संघर्ष के दौरान सना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और सऊदी अरब के आभा हवाई अड्डे को निशाना बनाया गया। दोनों पक्षों के बीच बढ़ती सैन्य कार्रवाई ने क्षेत्र में अस्थिरता को और गहरा कर दिया है। विश्लेषकों का मानना है कि इस नई समुद्री नाकेबंदी से 2022 से लागू संघर्ष विराम पर गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। यदि लाल सागर और आसपास के समुद्री मार्ग प्रभावित होते हैं तो अंतरराष्ट्रीय व्यापार, तेल आपूर्ति और जहाजों की आवाजाही पर भी असर पड़ सकता है। हूतियों की घोषणा के बाद पश्चिम एशिया में सुरक्षा स्थिति को लेकर चिंता बढ़ गई है। फिलहाल सऊदी अरब की ओर से इस घोषणा पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि दोनों पक्षों के बीच तनाव और बढ़ता है, तो इसका असर पूरे क्षेत्र की समुद्री सुरक्षा और वैश्विक व्यापारिक मार्गों पर पड़ सकता है।

द्वितीय सी डब्लू ताईक्वांडो प्रतियोगिता: जौनपुर-आजमगढ़ के 72 खिलाड़ियों ने जीता मेडल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ईशापुर (रसूलाबाद रोड) में रविवार को कोबरा वॉरियर्स मार्शल आर्ट एकेडमी द्वारा द्वितीय सी डब्लू ताईक्वांडो प्रतियोगिता 2026 का शानदार आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जौनपुर और आजमगढ़ की टीमों के कुल 72 बालक-बालिका खिलाड़ियों ने दम दिखाया, जिसमें से बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 27 खिलाड़ियों ने अपने-अपने भार वर्ग में स्वर्ण पदक (गोल्ड मेडल) पर कब्जा किया और 35 ने रजत एवम कांस्य पदक जीते। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जौनपुर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती मनोरमा मौर्या एवं विशिष्ट अतिथि श्रीमती मीरा अग्रहरी के द्वारा किया गया और जीते खिलाड़ियों को मेडल व प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता का समापन मीडिया प्रभारी माननीय अरविंद गुप्ता जी, शाइन ग्रुप ऑफ एजुकेशन के संस्थापक शशिकांत मौर्या और एनटीपीसी इंजीनियर उत्कर्ष सिंह जी के द्वारा किया गया। अतिथियों ने विजेता टीमों को पुरस्कृत किया। बालिका वर्ग में रूपाली सोनकर, अनन्या मौर्य, मन्नत सेठ, वेदांशी विश्वकर्मा ने स्वर्ण पदक जीते बालक वर्ग में अभिनव सिंह, शौर्य प्रताप, लोकेश पांडे, आरव राय, कन्हैया साहू, प्रत्यंश गुप्ता, शौर्य प्रताप सिंह, रजत मौर्य ने स्वर्ण पदक जीते। इस मौके पर राष्ट्रीय ताईक्वांडो कोच अमन दबगरवाल ने बाहर से आए सभी कोचों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया और खिलाड़ियों को उज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

बारिश के मौसम में बच्चों को संक्रामक व मौसमी बीमारियों से बचाने के लिए रहे जागरूक : डॉ. कुलदीप निगम

-लाल शेखर सिंह

महराजगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बरसात के मौसम में बच्चों में होने वाली मौसमी एवं संक्रामक बीमारियों से बचाव को लेकर सदर जिला अस्पताल में कार्यरत चिकित्सक डॉ. कुलदीप निगम (पुत्र श्री विनोद निगम), निवासी महराजगंज बाजार, ने पत्रकार वार्ता के दौरान लोगों को महत्वपूर्ण स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी। डॉ. कुलदीप निगम ने बताया कि बारिश के मौसम में दूषित पानी, गंदगी और मच्छरों के बढ़ने से बच्चों में डायरिया, वायरल बुखार, टायफाइड, डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया तथा त्वचा संबंधी संक्रमण जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।ऐसे में अभिभावकों को विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है।उन्होंने लोगों से अपील की कि बच्चों को हमेशा स्वच्छ एवं उबला या शुद्ध पानी पिलाएं, ताजा एवं पौष्टिक भोजन दें, खुले में रखे खाद्य पदार्थों के सेवन से बचें तथा घर और आसपास साफ-सफाई बनाए रखें। साथ ही मच्छरों से बचाव के लिए मच्छरदानी, पूरी बांह के कपड़े और आवश्यकतानुसार मच्छररोधी उपाय अपनाने की सलाह दी।डॉ. निगम ने कहा कि यदि बच्चे को तेज बुखार, लगातार उल्टी-दस्त, शरीर पर चकत्ते, सांस लेने में तकलीफ या अत्यधिक कमजोरी जैसे लक्षण दिखाई दें तो बिना देरी किए नजदीकी सरकारी अस्पताल या चिकित्सक से संपर्क करें। स्वयं दवा लेने या झोलाछाप उपचार से बचें।पत्रकार वार्ता के माध्यम से उन्होंने आमजन से अपील की कि बरसात के मौसम में थोड़ी-सी सावधानी अपनाकर बच्चों को गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखा जा सकता है। स्वास्थ्य विभाग भी लोगों को समय-समय पर जागरूक करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम संचालित कर रहा है।

अनिर्मित दास बगीची उद्यान का लोकार्पण समारोह संपन्न

-प्रेम चंद मिश्रा

इंदौर (उत्तरशक्ति)। इंदौर महानगर विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-1 के वार्ड क्रमांक-6 में आयोजित भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम में सहभागिता कर जनकल्याण से जुड़े 8.5 करोड़ की लागत वाले विभिन्न विकास कार्यों का शुभारंभ मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के कर कमलों द्वारा किया गया। कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि यह विकास कार्य क्षेत्रवासियों के जीवन को और अधिक सुविधाजनक एवं बेहतर बनाया जाएगा। मेरा आप सबसे वादा है कि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास का यह अभियान निरंतर आगे बढ़ता रहेगा। इस शुभ अवसर पर सांसद श्री शंकर लालवानी , महापौर पुष्यमित्र भार्गव, पार्षद श्रीमती संध्या यादव , मंडल अध्यक्ष शिवम वर्मा सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी एवं भाजपा के वार्ड अध्यक्ष, भाजपा के सभी पदाधिकारी, भाजपा के महिला मंडल परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

पर्यावरण एवं प्रकृति संतुलन के लिये पेड़ अति आवश्यक : राकेश श्रीवास्तव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के तत्वावधान में सोमवार को शिवापार स्थित सरस्वती चिल्ड्रन एकेडमी परिसर में 'एक सदस्यझएक पौधा' अभियान के अंतर्गत वृहद पौधरोपण हुआ। कार्यक्रम में महासभा के पदाधिकारियों, विद्यालय परिवार, छात्र-छात्राओं तथा समाज के गणमान्य लोगों ने विभिन्न प्रजातियों के छायादार एवं फलदार पौधों का रोपण करके उनके संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में महासभा के प्रदेश महासचिव तथा जिलाध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। पेड़ न केवल शुद्ध वायु और जीवनादायिनी ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, बल्कि प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसके संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए। विद्यालय के डायरेक्टर पी.के. श्रीवास्तव ने कहा कि केवल पौधारोपण करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि पौधों का नियमित संरक्षण और देखभाल भी उतनी ही आवश्यक है। उन्होंने विद्यालय परिसर को अधिक हरित बनाने तथा विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता विकसित करने का संकल्प दोहराया। इसी क्रम में दयाशंकर निगम एवं सरोज श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से कहा कि जलवायु परिवर्तन, बढ़ते प्रदूषण और घटते वन क्षेत्र को देखते हुए प्रत्येक नागरिक को पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उन्हें वृक्ष बनने तक संरक्षित रखने का आह्वान किया। इस दौरान सभी उपस्थितजनों ने पर्यावरण संरक्षण की शपथ लेते हुए प्रतिवर्ष कम से कम एक पौधा लगाने एवं उसके संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर आनन्द मोहन श्रीवास्तव, जय आनन्द, एस.सी. लाल, श्याम रतन श्रीवास्तव, शशि श्रीवास्तव 'गुड्डू', राजेश श्रीवास्तव, संजीव श्रीवास्तव, सरिता श्रीवास्तव, रेनू श्रीवास्तव, वर्षा सिंह, सत्यम सिंह, आयु सिंह, शिवांगी यादव, सूर्यांश सिंह, आराध्य यादव सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं, कायस्थ समाज के लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन महासभा के जिला महासचिव/पत्रकार संजय अस्थाना ने किया। अन्त में उन्होंने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

हरे कृष्ण के जयघोष से गूंजा इंदौर: भगवान जगन्नाथ के रथ के साथ उमड़ा जनसैलाब; ड्रोन से बरसे फूल

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की भव्य रथयात्रा ने रविवार को पूरे इंदौर को भक्तिमय बना दिया। अन्नपूर्णा मंदिर से निकली इस्कॉन की रथयात्रा राजवाड़ा स्थित गोपाल मंदिर तक पहुंची। करीब 5 किलोमीटर लंबे मार्ग पर काफी संख्या में श्रद्धालु भक्ति और उत्साह के साथ शामिल हुए। रिमझिम फुहारों के बीच ह्लहरे रामा-हरे कृष्णाह्व और ह्लजगन्नाथ स्वामी नयन पथ गामी भवतु मेह्व के जयघोष से पूरा शहर गुंजायमान रहा।यात्रा का शुभारंभ इस्कॉन इंदौर के अध्यक्ष स्वामी महामन दास, अन्नपूर्णा आश्रम के महामंडलेश्वर स्वामी विश्वेश्वरानंद गिरि, स्वामी जयेन्द्रानंद गिरि, डॉ. स्वामी चेतन स्वरूप, महंत पवनदास महाराज सहित अनेक संतों के सान्निध्य में हुआ। अतिथियों ने रथ का पूजन कर और मार्ग की प्रतीकात्मक सफाई कर यात्रा को रवाना किया।

51 फीट ऊंचे भव्य रथ पर विराजित भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के दर्शन के लिए मार्ग भर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती रही। यात्रा के दौरान ड्रोन से पुष्प वर्षा की गई, जबकि 65 स्वागत मंचों और तोरण द्वारों से भी फूल बरसाकर भगवान का स्वागत किया गया। रथ को अपने हाथों से खींचने के लिए श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। कतर, यूक्रेन, वृंदावन, मायापुर (कोलकाता) और देश के विभिन्न हिस्सों से आए संतों और भक्तों ने संकीर्तन एवं नृत्य प्रस्तुतियों से माहौल को भक्तिमय बनाए रखा। विदेशी भक्तों के कृष्ण भक्ति नृत्य और संकीर्तन ने लोगों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। राधा-कृष्ण स्वरूप में सजी महिलाएं और गोपियों की झांकियां भी आकर्षण का केंद्र रहीं। यात्रा में दो रथ, छह बग्घियां, दो बैंड, तीन भजन मंडलियां, विंटेज कारें और दर्जनों वाहन शामिल रहे। श्रद्धालुओं का काफिला इतना लंबा था कि उसका एक सिरा महू नाका क्षेत्र में था तो दूसरा काफी पीछे तक फैला हुआ था। यात्रा को गोपाल मंदिर पहुंचने में लगभग पांच घंटे का समय लगा। अग्रवाल, जैन, माहेश्वरी, खंडेलवाल, गुर्जर गौड़, यादव-अहीर समाज, विश्व हिंदू परिषद सहित अनेक सामाजिक, धार्मिक और व्यापारिक संगठनों ने यात्रा का स्वागत किया। जगह-जगह फलाहार, शीतल पेय और प्रसाद वितरण की व्यवस्था की गई। बिजली के तारों और अन्य अवरोधों से रथ को सुरक्षित निकालने के लिए हाइड्रोलिक सिस्टम का उपयोग किया गया। यातायात व्यवस्था संभालने के लिए इस्कॉन के 21 स्वयंसेवक तैनात रहे, जबकि यात्रा समाप्त होने के बाद मार्ग की सफाई के लिए विशेष वाहन भी साथ चल रहा था। राजवाड़ा स्थित गोपाल मंदिर पहुंचकर रथयात्रा का समापन हुआ, जहां हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ के दर्शन कर महाप्रसाद ग्रहण किया।

सेक्स रैकेट के अडडे पर छापा, दो हिरासत में

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस ने लाइनबाजार थाना क्षेत्र के कटघरा स्थित अंजु गिल एकेडमी स्कूल के समीप कथित रूप से संचालित सेक्स रैकेट के खिलाफ कार्रवाई की। लाइनबाजार और कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर मौके से दो लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस की कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए।

पुलिस के अनुसार, स्थानीय लोगों की ओर से लंबे समय से इस स्थान पर संदिग्ध गतिविधियां संचालित होने की शिकायत मिल रही थी। शिकायतों के आधार पर संयुक्त टीम ने छापा मारा। प्रारंभिक जांच में पुलिस को कई महत्वपूर्ण तथ्य मिले हैं, जिनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। सूत्रों के अनुसार, यह कथित अवैध गतिविधि पिछले करीब छह माह से संचालित होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, पुलिस ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है और मामले की गहन जांच जारी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

द बॉडी शॉप की एंड ऑफ सीजन सेल शुरू

मुंबई। ब्रिटिश मूल के एथिकल ब्यूटी ब्रांड द बॉडी शॉप ने अपनी बहुप्रतीक्षित एंड ऑफ सीजन सेल (ईओएसएस) शुरू कर दी है। इस सेल के तहत ब्रांड के कई लोकप्रिय प्रोडक्ट्स पर ग्राहकों को 50% तक की छूट मिल रही है। सीमित अवधि तक चलने वाली यह सेल प्रीमियम सेल्फ-केयर प्रोडक्ट्स को पहले के मुकाबले अधिक किफायती कीमत पर खरीदने का मौका दे रही है। इस सेल में स्किनकेयर, बॉडीकेयर, हेयरकेयर और फ्रैगरेंस कैटेगरी के कई लोकप्रिय प्रोडक्ट्स शामिल हैं। स्किनकेयर रेंज में विटामिन ई इंटेंस मॉइस्चराइजर (100ml) और टी ट्री फेस वॉश जैसे उत्पादों पर ऑफर उपलब्ध हैं। वहीं, बॉडीकेयर में मैरीगोल्ड शावर जेल और मोरिंगा बॉडी लोशन जैसी पसंदीदा रेंज भी छूट के साथ खरीदी जा सकती है। इसके अलावा, फ्रैगरेंस रेंज में फुल रोज ओ डी परफ्यूम और ब्लैक मस्क ओ डी टॉयलेट जैसे सिग्नेचर परफ्यूम भी आकर्षक कीमतों पर उपलब्ध हैं। कंपनी का कहना है कि यह सेल उसके एथिकली सोर्स्ड (नैतिक तरीके से प्राप्त) इंग्रीडिएंट्स और उच्च गुणवत्ता वाले फॉर्मूलेशन के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है। इस ऑफर के जरिए ग्राहक अपनी पसंद के सेल्फ-केयर प्रोडक्ट्स पर बचत करने के साथ-साथ जिम्मेदार और जागरूक खरीदारी का विकल्प भी चुन सकते हैं। ब्रांड का मानना है कि खूबसूरती ऐसी होनी चाहिए, जो लोगों के साथ-साथ पर्यावरण के लिए भी बेहतर हो। प्राकृतिक तत्वों से प्रेरित फॉर्मूलेशन और सामाजिक जिम्मेदारी की सोच के साथ, यह सेल ग्राहकों को अपने ब्यूटी रूटीन को नई ताजगी देने और पसंदीदा प्रोडक्ट्स को किफायती कीमत पर खरीदने का अवसर देती है। द बॉडी शॉप की एंड ऑफ सीजन सेल सीमित अवधि के लिए देशभर के सभी स्टोर्स और कंपनी की वेबसाइट दबॉडीशॉपडॉटइन पर उपलब्ध है। यह ऑफर चुनिंदा प्रोडक्ट्स पर और स्टॉक उपलब्ध रहने तक ही मान्य रहेगा।

व्यूसोनिक ने लॉन्च किया अपना पहला 50MP AI कैमरा इंटीग्रेटेड व्यूबोर्ड

मुंबई। विजुअल और एडटेक समाधान प्रदाता वैश्विक कंपनी 'व्यूसोनिक कॉर्पोरेशन' ने आज अपने सबसे नए प्रीमियम इंटरएक्टिव डिस्प्ले 'व्यूबोर्ड IN04V-N सीरीज' को लॉन्च करने की घोषणा की। आज के समय में हाइब्रिड सहयोग जिस तरह से संगठनों और शैक्षणिक संस्थानों के कामकाज को बदल रहा है, उसे देखते हुए बिजनेस लीडर्स और शिक्षक लगातार ऐसे इंटीग्रेटेड समाधानों की तलाश कर रहे हैं जो उनके काम को आसान और आकर्षक बनाएं। इसी बढ़ती जरूरत को पूरा करते हुए, नया व्यूबोर्ड एडवांस अकक्षमताओं, एंटरप्राइज-ग्रेड परफॉर्मेंस और एक इन-बिल्ट 50MP अक कैमरे के साथ पेश किया गया है, ताकि बोर्डरूम, क्लासरूम, ट्रेनिंग स्पेस और सामूहिक चर्चा के माहौल में बिना किसी बाधा के संचार हो सके। इस बेहतरीन अनुभव के केंद्र में एक इंटेलिजेंट इमेजिंग सिस्टम है जो क्रिस्टल-क्लियर विजुअल देता है। साथ ही, अकफेशियल ट्रैकिंग की मदद से यह खुद-ब-खुद प्रेजेंटर पर फोकस बनाए रखता है। 8-माइक्रोफोन ऐरे, जेस्चर रिकग्निशन (इशारों को पहचानना) और साउंड लोकलाइजेशन जैसी सुविधाओं के साथ यह डिस्प्ले बोलने वाले व्यक्ति को ऑटोमैटिक फॉलो करता है, कमरे के किसी भी कोने से आवाज को स्पष्ट रूप से कैप्चर करता है और टच-फ्री इंटरैक्शन की सुविधा देता है। इन सभी क्षमताओं को एक ही डिवाइस में शामिल करने से बाहरी कैमरों और ऑडियो उपकरणों की जरूरत खत्म हो जाती है, जिससे कॉन्फ्रेंसिंग का अनुभव बेहद आसान और सहज हो जाता है।

कप्तानी मिलते ही बाबर आजम का गरजा बल्ला, वेस्टइंडीज की धरती पर ठोका शतक

नई दिल्ली। पाकिस्तान टेस्ट टीम की कप्तानी मिलने के बाद बाबर आजम ने बल्ले से कमाल का प्रदर्शन किया है। कप्तानी मिलते ही उन्होंने शतक लगाया है और फॉर्म में वापसी की है। बाबर की ये शतकीय पारी वेस्टइंडीज में आई है, जहां पाकिस्तानी टीम को दो मैचों टेस्ट सीरीज खेलनी है। बांग्लादेश में 0-2 से हार के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने शान मसूद को कप्तानी से हटा दिया था। बाबर को वेस्टइंडीज दौरे से पहले टेस्ट टीम का फिर से कप्तान बनाया गया। वे पहले भी पाकिस्तान की कप्तानी कर चुके थे। ऐसे में अब कप्तानी मिलने के बाद उन्होंने अभ्यास मैच में शतक लगाया है। बाबर ने ये पारी वेस्टइंडीज सेलेक्ट इलेवन के खिलाफ खेली है। टेस्ट सीरीज से पहले पाक टीम प्रैक्टिस मैच खेल रही है, जहां पाकिस्तानी कप्तान ने सेंचुरी लगाई है। वेस्टइंडीज सेलेक्ट इलेवन के खिलाफ अभ्यास मैच के दूसरे दिन बाबर ने शतक लगाया। उन्होंने 151 गेंदों पर 100 रन बनाए, जिसमें 12 चौके और एक छक्का शामिल रहा। शतक लगाने के बाद वे रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से बाहर चले गए। टेस्ट सीरीज की शुरूआत से पहले बाबर का इस तरह फॉर्म में आना पाकिस्तान के लिए अच्छी खबर है। पाक टीम पिछले कुछ समय से टेस्ट क्रिकेट में संघर्ष कर रहे हैं और वे वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में भी सबसे निचले स्थान पर हैं। पाकिस्तान के युवा सलामी बल्लेबाज अजान अवैस ने भी इस मुकाबले में अपने बल्ले का दम दिखाया। उन्होंने भी शतक लगाया और दिखाया कि वे विंडीज के खिलाफ खेलने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट में डेब्यू करने वाले इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने अब तक अच्छा खेल दिखाया है। उन्होंने बांग्लादेश दौरे पर एक सेंचुरी भी ठोकी थी, जहां बाकी पाकिस्तानी बल्लेबाज संघर्ष कर रहे थे। पाकिस्तान के लिए अब्दुल्ला फजल (50) और पूर्व कप्तान शान मसूद (70) ने अर्धशतक लगाया।

दिल्ली में छात्रों के ऊपर हुए लाठी चार्ज के विरोध में कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। दिल्ली के जंतर मंतर पर पेपर लीक के खिलाफ देश भर के छात्रों और युवाओं के द्वारा किए जा रहे शांतिपूर्ण प्रदर्शन को दबाने के लिए पुलिस द्वारा बर्बरतापूर्ण तरीके से किए गये लाठीचार्ज के विरोध में कांग्रेस पार्टी के कार्यकताओं ने शहर कांग्रेस अध्यक्ष आरिफ खान के नेतृत्व में शहीद भगतसिंह पार्क में प्रदर्शन करते हुए सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए शहर कांग्रेस कमेटी जौनपुर के अध्यक्ष आरिफ खान ने कहा कि भाजपा सरकार लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान को पांवों तले कुचल रहीं हैं, सरकार की निरंकुशता और तानाशाही चरम पर पहुंच गयी है, इस सरकार में शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात कहने वाले लोगों को पुलिस की लाठियों का शिकार होना पड़ रहा है। कांग्रेस शहर अध्यक्ष आरिफ खान ने छात्रों, युवाओं और प्रदर्शनकारियों पर दिल्ली में हुए लाठीचार्ज को बर्बरतापूर्ण और कायराना कार्यवाही बताते हुए कहा कि ऐसी दमनात्मक कार्यवाही ब्रिटिश हुकूमत में देखने को मिलती थी, मोदी सरकार में पेपर लीक होने से देश के लाखो छात्रों का भविष्य अंधकार में पड़ गया है, आरिफ खान ने भाजपा सरकार पर गम्भीर आरोप लगाते हुए कहा कि मोदी सरकार पेपर लीक कराने वाले अपराधियों और साजिशकताओं को संरक्षण दे रही है साथ ही इसके जिम्मेदार उच्च शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान को बचाकर अपनी गंदी मानसिकता को उजागर कर रही है। कांग्रेस नेता आरिफ खान ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि देश का युवा नरेंद्र मोदी और भाजपा सरकार को कभी माफ नहीं करेगा, लाठीचार्ज जैसी अमानवीय कृत्य के खिलाफ पूरा देश एकजुट होकर छात्रों और प्रतिभागियों के साथ खड़ा है, युवाओं पर हुए दमनात्मक कार्यवाही पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को माफी मांगते हुए प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।इस मौके पर सत्यवीर सिंह ,लाल प्रकाश पाल ,अनिल सोनकर ,राजकुमार गुप्ता ,जय मंगल यादव ,शाहनवाज मंजूर सभासद ,अबुजर शेख सभासद ,एडवोकेट अजीम शेख ,बिलाल अहमद ,एडवोकेट अजय सोनकर ,एडवोकेट जफर राजा ,मोहम्मद ताहिर ,अजीम जौनपुरी ,विवेक सिंह सप्पू ,अजय सोनी ,कोमल ,अजीम ,तौफीक राजू ,रईस अहमद ,राहुल यादव संतोष निषाद ,मोहम्मद अर्शी ,इकबाल हुसैन, अशरफ ,शब्बू भाई ,एडवोकेट विपिन राय आदि।

रेवा यूनिवर्सिटी और सेल्सफोर्स ने कैंपस में स्टूडेंट्स को ए.आई-पॉवर्ड अनुभव प्रदान करने के लिए रेवायन पेश किया

बैंगलोर। नं. 1 एजेंटिक ए.आई सीआरएम, सेल्सफोर्स और रेवा यूनिवर्सिटी ने आज रेवायन का लॉन्च किया। यह एक ए.आई-पॉवर्ड डिजिटल इंगेजमेंट प्लेटफॉर्म है, जो स्टूडेंट्स को व्यक्तिगत अनुभव प्रदान करता है। रेवायन स्टूडेंट्स को एडमिशन और एनरोलमेंट से लेकर एकेडेमिक्स और कैंपस सेवाएं प्राप्त करने में मदद करेगा। यह एक कनेक्टेड, ए.आई-पॉवर्ड एवं स्टूडेंट्स पर केंद्रित डिजिटल ईकोसिस्टम बनाने के यूनिवर्सिटी के लक्ष्य को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। एजेंटफोर्स फॉर एजुकेशन, एजेंटफोर्स फॉर मार्केटिंग और एजेंटफोर्स 360 द्वारा पॉवर्ड रेवायन सेल्सफोर्स के साथ रेवा यूनिवर्सिटी के चार साल के डिजिटल परिवर्तन के सफर की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस साझेदारी के अंतर्गत एजेंटफोर्स फॉर एजुकेशन और स्टूडेंट लाईफसायकल मैनेजमेंट (एस.एल.सी.एम) द्वारा पॉवर्ड सेल्सफोर्स एकेडेमिया सेंटर ऑफ एक्सिलेंस (सीओई) के माध्यम से रेवा यूनिवर्सिटी के इनोवेशन ईकोसिस्टम को सपोर्ट मिलेगी। रेवा यूनिवर्सिटी भारत में अपने बी.टेक पाठ्यक्रम में सेल्सफोर्स को शामिल करने वाली शुरूआती यूनिवर्सिटीज में से एक है। यह ट्रेलहेड और सेल्सफोर्स लैब्स के माध्यम से सेल्सफोर्स एडमिनिस्ट्रेशन, सेल्सफोर्स प्लेटफॉर्म डेवलपमेंट, एजेंटफोर्स के साथ इंटेलिजेंट सिस्टम और म्यूलसॉफ्ट एनीपॉइंट प्लेटफॉर्म फाउंडेशन में विशेष लर्निंग पाथवे पेश करती है। वित्तवर्ष 2026 और वित्तवर्ष 2027 में सी.ओ.ई के माध्यम से फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम्स ने संस्थागत क्षमता को मजबूत बनाया, एजुकेटर्स का कौशल बढ़ाने में मदद की और 2,000 से अधिक सेल्सफोर्स-रेडी स्टूडेंट्स का विकास किया। इस बारे में डॉ. पी. श्यामा राजू, चांसलर, रेवा यूनिवर्सिटी ने कहा, रेवा यूनिवर्सिटी में हमारा मानना है कि उच्च शिक्षा का भविष्य टेक्नोलॉजी, इनोवेशन और मानव क्षमता के विकास में है। सेल्सफोर्स के साथ हमारा सहयोग लर्निंग के एक डिजिटल वातावरण का विकास करने की हमारी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है, ताकि स्टूडेंट्स ए.आई-संचालित दुनिया की चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार हो सकें। रेवायन का लॉन्च हमारे डिजिटल परिवर्तन के सफर की एक बड़ी उपलब्धि है। रेवा समिट फ्यूचरएक्स-26 जैसे अभियान इनोवेशन, औद्योगिक सहयोग और फ्यूचर-रेडी टेलेंट को बढ़ावा देने का हमारा लक्ष्य प्रदर्शित करते हैं। सेल्सफोर्स इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर, मनकीरन चौहान ने कहा, शैक्षणिक संस्थान स्टूडेंट्स के अनुभव में सुधार लाने और विस्तृत स्तर पर सेवाएं प्रदान करने के लिए ए.आई, डेटा और ऑटोमेशन का इस्तेमाल बढ़ा रहे हैं। रेवा यूनिवर्सिटी प्रदर्शित कर रही है कि एक कनेक्टेड डिजिटल प्लेटफॉर्म से किस प्रकार व्यक्तिगत अनुभव प्राप्त होते हैं, ज्यादा चुस्त ऑपरेशन संभव होते हैं और उच्च शिक्षा व्यवस्था में कैसे इनोवेशन बढ़ता है। हमें रेवा यूनिवर्सिटी के साथ साझेदारी करने की खुशी है।

कुशाग्र ओझा के शतक से भारतीय टीम मजबूत स्थिति में, शुरूआती झटकों के बाद शानदार वापसी

कोलंबो। भारत अंडर-19 टीम ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे यूथ टेस्ट के पहले दिन शुरूआती दो विकेट बिना कोई रन बनाए गंवाने के बावजूद शानदार वापसी करते हुए मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। खराब रोशनी के कारण पहले दिन का खेल समय से पहले समाप्त करना पड़ा। उस समय भारत का स्कोर 65 ओवर में तीन विकेट पर 253 रन था। पहले दिन के नायक कुशाग्र ओझा रहे, जिन्होंने संयमित बल्लेबाजी करते हुए 177 गेंदों में नाबाद 103 रन बनाए। बाएं हाथ के बल्लेबाज ओझा ने नई गेंद का शानदार सामना किया और फिर अपनी पारी को शतक में तब्दील कर टीम को मजबूत आधार दिया। कप्तान यशबर्धन चौहान ने भी बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 89 गेंदों में 78 रन बनाए। वहीं मनाल चौहान दिन का खेल समाप्त होने तक 108 गेंदों में 55 रन बनाकर नाबाद लौटे। ओझा, यशबर्धन और मनाल की साझेदारियों ने भारत को शुरूआती संकट से उबार दिया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरूआत बेहद निराशाजनक रही। पहले मैच में दोहरा शतक लगाने वाले लक्ष्य रायचंदानी और शतकवीर सागर विर्क दोनों बिना खाता खोले आउट हो गए। भारत का स्कोर बिना किसी रन के दो विकेट हो गया था। इसके बाद कुशाग्र ओझा ने कप्तान यशबर्धन चौहान और फिर मनाल चौहान के साथ महत्वपूर्ण साझेदारियां कर पारी को संभाला। उन्होंने धैर्य और समझदारी से बल्लेबाजी करते हुए खराब गेंदों का पूरा फायदा उठाया और लगातार रन गति बनाए रखी। श्रीलंका के गेंदबाजों को बीच-बीच में सफलता जरूर मिली, लेकिन वे अच्छी लय में बल्लेबाजी कर रहे कुशाग्र ओझा को आउट नहीं कर सके।